केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जिनका स्वभाव अच्छा होता है उन्हे कभी प्रभाव दिखाने की जरुरत नही होती है, मुस्कुराना, प्रशंसा करना, सहयोग करना, और क्षमा करना सुखी जीवन के मूलमंत्र है!

वर्ष : 16 अंक : 224 | उज्जैन, शुक्रवार 23 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

दुनिया भर के चुनाव प्रबंधन निकायों को ईसीआई नेट जैसा डिजिटल प्लेटफार्म बनाने में भारत देगा मदद

नई दिल्ली/ जीएनएस। दुनिया भर के चुनाव प्रबंधन निकायों के सामने निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को न सिर्फ अपनी चुनावी दक्षता, पारदर्शिता व जनता के विश्वास को बढ़ाने के लिए ईसीआई नेट जैसा एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लांच किया है बल्कि उनके लिए भी ऐसा ही डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाने में मदद का प्रस्ताव दिया। इस प्लेटफॉर्म के जरिए चुनाव से जुड़ी किसी भी तरह की जानकारी अब एक जगह पर मिलेगी। निर्वाचन आयोग की इस पहल को जहां दुनिया भर के चुनाव प्रबंधन निकायों से जमकर सराहा, वहीं मौके पर मौजूद कई देशों ने अपने लिए ऐसा ही एक डिजिटल प्लेटफार्म तैयार बनाने की पेशकश भी कर दी। लोकतंत्र व चुनावी प्रक्रिया को सशक्त बनाने के लिए आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय चुनाव प्रबंधन सम्मेलन के दूसरे दिन निर्वाचन आयोग ने दुनिया भर के चुनाव प्रबंधन निकायों के सामने ईसीआई नेट के नए यूनिफाईड संस्करण को प्रदर्शित किया। जो आयोग के 40 से ज्यादा ऐप व पोर्टल को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराता है। जिसके जरिए कोई भी नए मतदाता बनने के लिए आवेदन करने से लेकर अपने आवेदन को ट्रैक करने, अपने उम्मीदवारों को जानने, बीएलओ के साथ काल बुक करने, ईपिक डाउनलोड करने, मतदान के रुझान को जानने, मतदाता पहचान पत्र जैसे कई महत्वपूर्ण सेवाओं हासिल कर सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को ईसीआई नेट लांच करते हुए इसकी खूबियां गिनाई व बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले वहां कराए एसआईआर के दौरान इसका ट्रायल लिया गया था। जिसमें यह पूरी तरह खरा पाया गया है। साथ ही कहा कि इस प्लेटफार्म को भारत के संविधान, लोक प्रतिनिधित्व कानून, मतदाता पंजीयन के नियम व चुनाव के संचालन नियम के तहत तैयार किया गया है।

फलीभूत होगी महापुरुषों की वाणी... पूर्ण तेज के साथ जागृत होगा भारत, हरिद्वार में गृह मंत्री ने कही यह बात

हरिद्वार/ जीएनएस। अखिल विश्व गायत्री परिवार के शताब्दी समारोह में हरिद्वार पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हरिद्वार केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि सप्तऋषियों की तपोभूमि है, जहां असंख्य संतों और महापुरुषों ने अपनी आत्मिक साधना से करोड़ों लोगों को अध्यात्म के मार्ग पर चलने के लिए अग्रसर किया। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद और पंडित श्रीराम शर्मा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, इन महापुरुषों ने विश्वास व्यक्त किया था कि जब भारत पूर्ण तेज के साथ जागृत होगा, तब वह पूरे विश्व को तेजोमय बनाएगा। ऐसे मनीषियों की वाणी कभी विफल नहीं होती। गृह मंत्री ने कहा कि व्यक्ति के लिए सौ वर्ष पूर्णता का प्रतीक हो सकते हैं, लेकिन व्यक्ति निर्माण में जुटी संस्थाओं के लिए शताब्दी वर्ष नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का संकेत है। गायत्री परिवार की यह जिम्मेदारी है कि वह अगले सौ वर्षों तक राष्ट्र निर्माण व युग निर्माण के पथ पर अग्रसर रहे। उन्होंने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा ने गायत्री मंत्र के माध्यम से भक्ति को कर्मकांड की सीमाओं से बाहर निकालकर जीवन और आत्मा से जोड़ा। दहेज, नशा व जातिगत भेदभाव के विरुद्ध रचनात्मक आंदोलन चलाया और महिलाओं को गायत्री मंत्र की उपासना का अधिकार दिलाया। युवाओं का आह्वान करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि गायत्री मंत्र की उपासना से स्वार्थ क्षीण होता है, परमार्थ का विस्तार होता है, कायरता का स्थान वीरता लेती है और बुद्धि सद्मार्ग पर अग्रसर होती है। अमृत काल को उद्धृत करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित और आध्यात्मिक राष्ट्र बनाने में समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका निर्णायक होगी। यह संकल्प गायत्री परिवार का भी होना चाहिए। पिछले एक दशक के परिवर्तनों का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि 550 साल से रामलला अपमानित अवस्था में बैठे थे, अब अयोध्या में आज भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है, जिसमें रामलला विराजमान हो गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया 27 जनवरी को करेंगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ

सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक कैलाश खेर टीटी नगर स्टेडियम में देंगे प्रस्तुति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को प्रेस से चर्चा में बताया कि 27 जनवरी 2026 को शाम 6:30 बजे भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में खेलो एमपी यूथ गेम्स की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इसका शुभारंभ करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रदेश में ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं, जबकि जिला एवं संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएँ प्रगति पर हैं और 25 जनवरी 2026 तक पूर्ण हो जाएँगी। इसके बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया जाएगा।

भव्य शुभारंभ समारोह, खेलों की थीम पर आधारित होगा आयोजन- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित शुभारंभ समारोह को विशुद्ध रूप से खेलों की थीम पर आधारित रखा गया है। समारोह में श्री कैलाश खेर की विशेष प्रस्तुति होगी, वहीं इंडियाज़ गॉट टैलेंट फेम डांस ट्रूप द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। इसके अतिरिक्त खेलों के इतिहास पर आधारित नृत्य-नाटिका तथा भव्य आतिशबाजी कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहेंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह समारोह खेल, ऊर्जा और युवा उत्साह का जीवंत प्रदर्शन होगा।

खेल विभाग एवं खेल संघों के समन्वय से मिले सकारात्मक परिणाम- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि देश में पहली बार खेल विभाग एवं सभी मान्यता प्राप्त खेल संघों के संयुक्त समन्वय से खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अत्यंत सकारात्मक एवं उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण स्तर से बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली खिलाड़ी उभरकर सामने आए हैं, जिससे जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभा की पहचान संभव हो सकी है। उन्होंने कहा कि इस नवाचारी मॉडल का सफल क्रियान्वयन भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर भी लागू किए जाने के लिए मध्यप्रदेश का प्रयास रहेगा, ताकि देशभर में खेलों के विकास को नई दिशा मिल सके।

ऑनलाइन पंजीयन एवं पारदर्शी व्यवस्था- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स में सहभागिता के लिए खिलाड़ियों का ऑनलाइन पंजीयन डैशबोर्ड आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से किया गया है, जिससे पूरी चयन प्रक्रिया पारदर्शी, सरल एवं सुगम बनी है। ब्लॉक स्तर से प्रारंभ हुई इस प्रक्रिया में अब तक एक लाख से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि पंजीयन, खेलवार सहभागिता, परिणामों की प्रविष्टि एवं प्रगति की निगरानी रीयल-टाइम डैशबोर्ड के माध्यम से की जा रही है।

31 जनवरी तक चलेंगी प्रतियोगिताएँ, 28 खेल होंगे शामिल- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि चयन प्रक्रिया 313 विकासखंडों से प्रारंभ की गई, जिसके अंतर्गत 13 से 20 जनवरी 2026 तक जिला स्तरीय प्रतियोगिताएँ संपन्न की जा चुकी हैं तथा संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएँ 25 जनवरी तक पूर्ण होंगी। ब्लॉक एवं जिला स्तर पर 21 खेलों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। राज्य स्तर पर प्रदेश के 10 संभागों की टीमें प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी, जिससे यह आयोजन प्रदेशव्यापी सहभागिता का प्रतीक बनेगा।

खेलों की परंपरा के अनुरूप आयोजन स्थल- मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रतियोगिताओं का आयोजन इस आधार पर किया गया है कि जिस क्षेत्र में जिस खेल को खेलने की परंपरा और लोकप्रियता है, उस खेल का आयोजन वहीं किया जाए। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएँ भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रीवा, शिवपुरी, ग्वालियर, सागर एवं नर्मदापुरम में प्रस्तावित हैं। भोपाल में एथलेटिक्स, फेंसिंग, पुरुष क्रिकेट, क्याकिंग-कैनोईंग, रोईंग, तैराकी, शूटिंग, पुरुष हॉकी, बॉक्सिंग, थ्रोबॉल, व्हॉलीबॉल एवं कबड्डी आयोजित होंगी। इंदौर में बास्केटबॉल, वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस एवं टेनिस, शिवपुरी में महिला क्रिकेट, ग्वालियर में महिला हॉकी, पिट्ठू एवं बैडमिंटन, उज्जैन में मल्लखम्ब, योगासन, रस्साकशी एवं कुश्ती, जबलपुर में खो-खो एवं आर्चरी, रीवा में फुटबॉल, नर्मदापुरम में ताईक्वांडो एवं शतरंज तथा सागर में जूडो प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स में पहली बार पारंपरिक एवं लोकप्रिय खेलों को विशेष रूप से शामिल किया गया है। इसमें पिट्ठू और रस्साकशी जैसे पारंपरिक खेलों के साथ-साथ क्रिकेट और थ्रोबॉल को भी शामिल किया गया है।

बंगाल में पेट्रोल डालकर भाजपा नेता का घर फूंका, दुकान में तोड़फोड़

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में बांकुड़ा जिले के ओंदा में भाजपा नेता तापस बारीक के घर में कुछ लोगों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस समर्थित बदमाशों ने ऐसा किया है। उनका उद्देश्य उनकी तथा उनके परिवार के सदस्यों की हत्या करना था। ग्रामीणों के प्रयासों से सभी लोग बच गए।

भाजपा ने आरोपितों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। भाजपा के सामाजिक प्रकोष्ठ के नेता तापस बारीक ने बताया कि टीएमसी समर्थित बदमाशों ने बाहर से घर का दरवाजा बंद कर दिया था। आग देखकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने घर का दरवाजा तोड़कर उनको और उनके परिवार को बचाया।

भाजपा से जुड़े होने की वजह से हुआ हमला- तापस ने दावा किया कि बदमाशों ने न केवल उनके घर में बल्कि उनकी दुकान में भी तोड़फोड़ की। भाजपा से जुड़े होने के कारण ही उन पर हमला हमला हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही गुरुवार सुबह ओंदा के भाजपा विधायक अमरनाथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि तृणमूल समर्थकों ने यह हमला किया है। अगर दोषियों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो हम आंदोलन करेंगे।

भाजपा का विरोध प्रदर्शन- वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग करते हुए स्थानीय थाने के समक्ष विरोध-प्रदर्शन किया। दूसरी ओर ओंदा पंचायत समिति के अध्यक्ष और तृणमूल कांग्रेस नेता अभिरूप खान ने कहा कि उनकी पार्टी का इस घटना से कोई संबंध नहीं है। यह घटना भाजपा की गुटबाजी के कारण हो सकती है। बांकुड़ा के पुलिस अधीक्षक सौम्यदीप भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

गणतंत्र दिवस पर वायुसेना का सिंदूर वाला प्लान, आसमान में राफेल-मिग-29 समेत ये विमान बनाएंगे खास फॉर्मेशन

नई दिल्ली/ जीएनएस। गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार भारतीय वायुसेना का फ्लाईपास्ट बेहद खास होने जा रहा है। वायु सेना के फ्लाईपास्ट में राफेल, सू-30, जगुआर और मिग-29 लड़ाकू विमान एक विशेष फार्मेशन सिंदूर प्रदर्शित करेंगे।

फ्लाईपास्ट में 29 विमान शामिल होंगे, जिनमें चार परिवहन विमान और नौ हेलीकाप्टर हैं। इन विमानों द्वारा सिंदूर, ध्वज, प्रहार, गरुड़, अर्जन, वरुण और वज्रंग सहित विभिन्न फार्मेशन प्रदर्शित किए जाएंगे। सिंदूर फार्मेशन उड़ान में दो राफेल जेट, दो मिग-29, दो सू-30 और एक जगुआर विमान शामिल होंगे। ये सभी लड़ाकू विमान सिंदूर अभियान का हिस्सा थे।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में विधानसभा से सड़क तक सियासी महासंग्राम, सोनिया गांधी से पूछताछ की मांग

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरल के सबरीमाला अयप्पा मंदिर से जुड़े सोना चोरी मामले ने अब जांच के दायरे से निकलकर राज्य की राजनीति में बड़ा सियासी टकराव पैदा कर दिया है। गुरुवार को केरल विधानसभा के भीतर और बाहर सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित रही।

कांग्रेस-नीत यूडीएफ ने देवस्वम मंत्री वीएन वासवन के तत्काल इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार हंगामा किया। विपक्ष का आरोप है कि सोना गायब होने की जानकारी होने के बावजूद मुख्य आरोपित को दोबारा मंदिर से जुड़ा काम सौंपा गया, जो सरकार और देवस्वम बोर्ड की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। इसके जवाब में सीपीआइ(एम)-नीत एलडीएफ ने पलटवार करते हुए दावा किया कि सोना चोरी की घटनाएं कांग्रेस शासन के दौरान हुई थीं। विधानसभा में मंत्री एमबी राजेश और वी शिवनकुट्टी ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपित उन्नीकृष्णन पोट्टी की सोनिया गांधी से मुलाकात हुई थी। शिवनकुट्टी ने इस संबंध में सोनिया गांधी से पूछताछ की मांग भी उठाई।

मुंबई में सामान्य वर्ग की महिला होगी मेयर, शिवसेना (यूबीटी) ने किया विरोध

मुंबई/ जीएनएस। देश की सबसे अमीर नगर पालिका मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के नए मुखिया को लेकर स्थिति साफ हो गई है। राज्य के नगर विकास विभाग ने महाराष्ट्र की 29 महानगर पालिकाओं के लिए आरक्षण की घोषणा कर दी है। जिसमें मुंबई मेयर पद को सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। इस फैसले के बाद अब मुंबई के प्रथम नागरिक की कुर्सी पर किसी महिला पार्षद का बैठना तय है।

यह आरक्षण लॉटरी के जरिए तय किया गया, जो मुंबई के मंत्रालय में नगर विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। आरक्षण की इस घोषणा के साथ ही राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी तेज हो गई है। 15 जनवरी 2026 को हुए चुनावों के बाद महायुति गठबंधन (भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना) के पास बहुमत है। भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि शिंदे गुट ने 29 सीटें जीती हैं। शिवसेना (यूबीटी) ने जताया कड़ा विरोध

इस आरक्षण प्रक्रिया पर विपक्षी दल शिवसेना (यूबीटी) ने कड़ा ऐतराज जताया है। पूर्व महापौर पेडणेकर ने आरोप लगाया कि सरकार ने आरक्षण के नियमों में फेरबदल किया है। उद्धव ठाकरे गुट का मानना था कि इस बार मेयर पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अन्य पिछ्गा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित होना चाहिए था। विपक्ष ने इस पूरी प्रक्रिया को फिक्स्ड बताते हुए इसका विरोध किया है।

फ्री बिजली वाला खेल खत्म! सरकार का एनईपी ड्राफ्ट जारी, महंगी हो जाएगी इलेक्ट्रिसिटी?

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकार ने अपनी मंशा साफ कर दी है कि अभी बिजली सेक्टर में जिस तरह से सब्सिडी दी जा रही है और मुफ्त बिजली की राजनीति हो रही है, वह ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी। इसी तरह उद्योग जगत को महंगी बिजली बेचकर कुछ दूसरे वर्ग को लागत से भी कम कीमत पर बिजली देने की परंपरा पर भी विराम लगेगा।

इस बात की जानकारी बुधवार को बिजली मंत्रालय की तरफ से जारी राष्ट्रीय ऊर्जा नीति (एनईपी) 2026 के मसौदे में दी गई है। यह मसौदा बिजली संशोधन विधेयक, 2026 का आधार बनेगा। इस पर केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल देश के सभी राज्यों के बिजली मंत्रियों या राज्य सचिवों के साथ विमर्श करेंगे। बिजली सब्सिडी के लिए बजट में देना होगा प्रावधान

एनईपी-2026 ने बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) की वित्तीय सेहत बहाल करने और अत्यधिक क्रास सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने पर जोर दिया है। साथ ही यह स्पष्ट किया है कि अगर कोई राज्य सरकार बिजली सब्सिडी देती है तो उसके लिए बजट में पहले से प्रविधान करना होगा। इसका मुख्य फोकस लागत-आधारित टैरिफ लागू करने का है ताकि डिस्काम कर्ज के चक्र से बाहर निकल सकें।

बोर्ड ऑफ पीस में क्यों शामिल नहीं हुआ भारत- अमेरिका के प्रमुख सहयोगियों ने भी बनाई दूरी, अब क्या करेंगे ट्रंप?

नई दिल्ली/ जीएनएस। गाजा में स्थाई शांति स्थापित करने को लेकर दावोस में गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में किये गये बोर्ड ऑफ पीस की औपचारिक लॉन्चिंग और इसकी स्थापना से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर आयोजित समारोह से भारत ने दूरी बना कर रखी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इसमें शामिल होने के लिए भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी को भी आमंत्रित किया था। जानकारों के मुताबिक भारत ने लंबे विमर्श के बाद फिलहाल इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया है।

भारत ने ट्रंप के गाजा बोर्ड ऑफ पीस से दूरी बनाई- विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि यह काफी संवेदनशील प्रस्ताव है और अभी वह ट्रंप के प्रस्ताव का अध्ययन कर रहा है।

वैसे भारत के अलावा भी अमेरिका के अन्य कई प्रमुख साझेदार देशों जैसे फ्रांस, ब्रिटेन आदि ने हिस्सा नहीं लिया। चीन को भी आमंत्रित किया गया था लेकिन वह भी शामिल नहीं हुआ।

बोर्ड ऑफ पीस का मुख्य उद्देश्य गाजा पट्टी में स्थायी शांति स्थापित करने और अन्य वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। सूत्रों ने बताया कि इस समारोह में भारत सरकार का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। यहां तक कि उस कमरे में भारत सरकार का कोई अधिकारी उपस्थित भी नहीं था। यह भारत की सतर्कता को दर्शाता है।

पाकिस्तान की उपस्थिति और संवेदनशील प्रस्ताव मुख्य कारण- भारत लंबे समय से फिलिस्तीन मुद्दे पर दो-राज्य समाधान का समर्थन करता रहा है, जिसमें इजरायल और फिलिस्तीन मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में रहें।

बहरहाल, एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि समारोह में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर का शामिल होना भी है।

भारत लगातार पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने का आरोप लगाता रहा है और वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को उठाता है।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियां जारी

कलेक्टर शिवम वर्मा ने मुख्य समारोह स्थल नेहरू स्टेडियम पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की व्यापक तैयारियां जारी है। मुख्य समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ध्वजारोहण करेंगे। इंदौर में यह समारोह सुबह 9 बजे से नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में परेड सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज अधिकारियों के दल के साथ नेहरू स्टेडियम पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय से पूर्व कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर एडीएम श्री रोशन राय, अपर आयुक्त नगर निगम श्री अभय राजनगांवकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तैयारियों की विभागवार समीक्षा की। बताया गया कि समारोह में विभिन्न प्लाटूनों द्वारा परेड भी प्रस्तुत की जायेगी। राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों तथा उपलब्धियों पर आधारित 13 से अधिक नयनाभिराम झाँकियां भी विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जायेंगी। खजराना गणेश मंदिर, जिला पंचायत, नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, उद्योग, जेल, महिला बाल विकास, आदिम जाति कल्याण, सामाजिक न्याय, वन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यानिकी आदि विभागों द्वारा नयनाभिराम झाँकियां निकाली जायेंगी। समारोह स्थल पर आकर्षक साज-सज्जा की जायेगी। स्वतंत्रता सेनानियों एवं लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित भी किया जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भी दिए जाएंगे। समारोह में विभिन्न स्कूली विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे।

इसी तरह इंदौर संभाग के बुरहानपुर में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, खरगोन में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, बड़वानी में कौशल विकास एवं रोजगार विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल तथा खंडवा में संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भावसिंह लोधी ध्वजारोहण करेंगे। संभाग के धार, झाबुआ तथा आलीराजपुर जिले के मुख्य समारोह में संबंधित जिला कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिए गये हैं।

16वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशानुसार 25 जनवरी को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाएगा। इंदौर में इस अवसर पर 25 जनवरी को प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय इंदौर के सभाकक्ष -210 में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा करेंगे। आयोग के निर्देशानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम ÷मेरा भारत, मेरा वोट है÷। कार्यक्रम की टैगलाइन भारतीय लोकतंत्र की धड़कन-भारतीय नागरिक है। कार्यक्रम में मतदाता दिवस की शपथ भी दिलायी जायेगी।

नारी सशक्तिकरण का राष्ट्रीय आंदोलन बन गया है, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान नारी सशक्तिकरण का राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। देश-दुनिया की मुख्य धारा से बेटियों को जोड़ने वाले इस ऐतिहासिक अभियान के अंतर्गत महिलाओं के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर के लिए हम सभी प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत वार्ड 66 में शिविर, महापौर ने किया नागरिकों से सीधा संवाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शहर के प्रत्येक वार्ड में संचालित ÷संकल्प से समाधान अभियान÷ के अंतर्गत गुरुवार को झोन क्रमांक 12 के वार्ड क्रमांक 66 में माणिकबाग ब्रिज के नीचे शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती कंचन गिदवानी, अपर आयुक्त श्री नरेन्द्र नाथ पांडे, झोनल अधिकारी सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नगर निगम से संबंधित सेवाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर यह अभियान गरीबों, महिलाओं और जरूरतमंद वर्ग के उत्थान एवं उनके स्वाभिमान को सशक्त करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक संकल्प के साथ पहुँचाया जा रहा है, ताकि कोई भी नागरिक लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि इंदौर शहर के सभी 85 वार्डों में दिनांकवार आयोजित किए जा रहे शिविरों के माध्यम से अब तक 13 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। महापौर ने जानकारी दी कि नगर निगम, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों में से 10 हजार से अधिक आवेदनों को स्वीकृत कर आगे की प्रक्रिया में शामिल किया जा चुका है, जबकि शेष आवेदनों का नियमानुसार निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविरों में महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से सराहनीय है, जो बड़ी संख्या में योजनाओं का लाभ ले रही हैं और नए आवेदन भी प्रस्तुत कर रही हैं। महापौर श्री भार्गव ने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने वार्ड में आयोजित होने वाले संकल्प से समाधान अभियान के शिविरों में अनिवार्य रूप से शामिल हों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लें और नगर निगम से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन कर इस अभियान को सफल बनाएं।

निरंजनपुर हादसाः लापरवाही से बाइक चलाने वाले युवक की गिरफ्तारी, 7 वर्षीय बालक की मौत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के थाना लसुडिया क्षेत्र अंतर्गत निरंजनपुर में तेज रफ्तार और खतरनाक तरीके से मोटरसाइकिल चलाने के कारण 7 वर्षीय बालक की मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। यह दर्दनाक घटना 20 जनवरी 2026 को शाम करीब 4 बजे की है, जब निरंजनपुर निवासी शिवांक पिता ज्ञानीशंकर शर्मा (उम्र 8 वर्ष) को एक मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए। जांच में सामने आया कि आरोपी रितिक भदौरिया, निवासी निरंजनपुर नई बस्ती देवास नाका, बिना नंबर की यामाहा मोटरसाइकिल से कॉलोनी की संकरी गलियों में अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाता था। उसे पूर्व में भी कई बार समझाइश दी गई थी कि इस तरह वाहन चलाने से गंभीर हादसा हो सकता है, लेकिन उसने चेतावनियों को नजरअंदाज किया।

पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन भी आरोपी ने तेज और खतरनाक ढंग से मोटरसाइकिल चलाते हुए मासूम शिवांक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी जान चली गई। आरोपी के कृत्य को गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में मानते हुए थाना लसुडिया में अपराध क्रमांक 111/2026 धारा 105 बी.एन.एस. (304 आईपीसी) के तहत मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने 21 वर्षीय आरोपी रितिक भदौरिया को गिरफ्तार कर लिया है और उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई जारी है।

लोकभवन 25 जनवरी से आमजनों के लिए खुलेगा

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में होगी पार्किंग, प्रवेश गेट नंबर 1 से

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार लोकतंत्र के महापर्व गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर 25 जनवरी से लोकभवन आमजनों के लिए खोला जा रहा है। नागरिक 25 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक निर्धारित समयावधि में लोकभवन का भ्रमण कर सकेंगे।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने बताया कि लोकभवन 25 जनवरी एवं 27 जनवरी 2026 को दोपहर 2 बजे से सायं 8 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस के दिन, लोकभवन भ्रमण का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि लोकभवन भ्रमण के लिए आने वाले नागरिक कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में वाहन पार्किंग कर सकेंगे। लोकभवन में प्रवेश गेट क्रमांक-1 से होगा और निकास गेट क्रमांक- 4 से होगा। भ्रमण के समस्त रूट में आमजन लोकभवन की ऐतिहासिकता, सजावट और प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने बताया कि इस अवसर पर केन्द्रीय संचार ब्यूरो द्वारा वीबी-जी रामजी योजना तथा वंदे भारत थीम पर आधारित विशेष आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। तीनों दिन केन्द्रीय संचार ब्यूरों के सांस्कृतिक दलों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

इसी प्रकार मध्यप्रदेश शासन के जनसंपर्क विभाग द्वारा राजभवन से लोकभवन विषय पर विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लोकभवन की ऐतिहासिक, लोकतांत्रिक और प्रशासनिक यात्रा को रोचक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

उच्चतम न्यायालय ने धार भोजशाला संरक्षित परिसर के सम्बंध में सुनवाई कर दिये निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्चतम न्यायालय द्वारा धार भोजशाला संरक्षित परिसर के सम्बंध में सुनवाई की गई। उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान इसको स्वीकर किया कि बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ने पर जिला प्रशासन को कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने में कठिनाई आती है। इसलिए इस न्यायालय से निर्देश देना आवश्यक है। उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्देशित किया गया है कि पूजा अर्चन करने वाले हिंदू समुदाय को पूर्व प्रथा अनुसार स्थान दिया जाएगा, जहाँ पर बसंत पंचमी के पर्व पर पारंपरिक पूजा पूर्ण समय तक निर्विघ्न चल सके। नमाज पड़ने वाले मुस्लिम पक्ष को व्यक्तियों की संख्या का आंकलन कर सूची जिला मजिस्ट्रेट को दी जानी है। 1 बजे से 3 बजे तक नमाज़ पढ़ने के लिए परिसर में एक स्वतंत्र और पृथक स्थान दिया जाएगा जिसकी पृथक आवागमन व्यवस्था होगी। जिला प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने के दृष्टिकोण से आगंतुकों को पास जारी कर सकेगा। साथ ही कोई भी अन्य निर्णय ले सकेंगे, जिससे कानून व्यवस्था सुनिश्चित हो सके और शान्तिपूर्ण तरीके से सभी आयोजन किये जा सके। साथ ही किसी तरह की अप्रिय घटना घटित न हो। उच्चतम न्यायालय ने सभी वर्गों के हितबद्ध पक्षकारों व दोनों समुदायों के सभी सदस्यों से आपसी सामंजस्य, सहिष्णुता बनाये रखने तथा कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन और जिला प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

मकर संक्रांति पर भाजपा महिला मोर्चा ने आयोजित किया हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम, सुमित्रा महाजन ने बांटा तिल-गुड़

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा भाजपा कार्यालय पर पारंपरिक हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, वरिष्ठ नेत्री अंजू माखीजा, पूर्व नगर अध्यक्ष ज्योति तोमर एवं महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक उत्साह के साथ एक-दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर अखंड सौभाग्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने महिला कार्यकर्ताओं को तिल-गुड़ वितरित किए और सभी को मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ का विशेष महत्व होता है। तिल की स्निग्धता और गुड़ की मिठास जब एक साथ मिलती है, तो वह जीवन में प्रेम और सौहार्द की मिठास घोल देती है। मकर संक्रांति से सूर्य उत्तरायण होता है और दिन धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं, जो सकारात्मकता और नए आरंभ का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारे संस्कार हमें सिखाते हैं कि जीवन में व्यवहार, आचार और विचार में मिठास बनी रहनी चाहिए और यही संदेश तिल-गुड़ के माध्यम से दिया जाता है। महिलाएं ही परंपराओं की संवाहक होती हैं और भाजपा महिला मोर्चा इन सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है।

गणतंत्र दिवस को लेकर इंदौर पुलिस अलर्ट, सरवटे बस स्टैंड पर बम थ्रेट मॉक ड्रिल का आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गणतंत्र दिवस सहित शहर में होने वाले विभिन्न आयोजनों को ध्यान में रखते हुए इंदौर पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में शहर के प्रमुख और संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा तैयारियों की निरंतर समीक्षा की जा रही है।

इसी सिलसिले में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपर/मुख्य) श्री आर. के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (आसूचना एवं सुरक्षा) श्री राजेश व्यास के मार्गदर्शन में इंदौर पुलिस की बीडीडीएस टीम द्वारा दिनांक 22 जनवरी 2026 को सरवटे बस स्टैंड पर बम थ्रेट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी आपातकालीन स्थिति, विशेषकर लावारिस या संदिग्ध विस्फोटक सामग्री मिलने की स्थिति में त्वरित, सुरक्षित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना था।

मॉक ड्रिल के दौरान बीडीडीएस प्रभारी श्री खालिद मुश्ताक के निर्देशन में टीम ने थाना छोटी ग्वालटोली के स्टाफ एवं बस स्टैंड के सुरक्षा कर्मचारियों के साथ मिलकर यह अभ्यास किया कि ऐसी किसी परिस्थिति में किस प्रकार से इलाके को सुरक्षित किया जाए, आम नागरिकों को सुरक्षित दूरी पर रखा जाए और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थिति को नियंत्रण में लिया जाए।

ड्रिल के पश्चात पुलिस अधिकारियों ने बस स्टैंड पर कार्यरत कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों एवं आम नागरिकों से भी संवाद किया और उन्हें किसी संदिग्ध वस्तु या आपातकालीन स्थिति में क्या करें और क्या न करें, इसकी जानकारी दी। इंदौर पुलिस का यह प्रयास शहरवासियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए तैयार रहने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इंदौर में सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए हेलमेट बाइक रैली, पुलिस कमिश्नर ने दिखाई हरी झंडी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सड़क सुरक्षा के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता माह 2026 के अंतर्गत लगातार नए-नए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार 22 जनवरी 2026 को इंदौर यातायात पुलिस द्वारा हेलमेट जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया।

शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुखद यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री राजेश कुमार सिंह तथा पुलिस उपायुक्त (जोन-4/यातायात) श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में यह रैली निकाली गई। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने हेलमेट जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सभी नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

हेलमेट बाइक रैली का नेतृत्व डीसीपी यातायात श्री आनंद कलादगी ने किया। रैली पलासिया चौराहा से प्रारंभ होकर गीताभवन, मधुमिलन, रीगल सर्कल होते हुए राजवाड़ा पहुँची और पुनः पलासिया सेल्फी पॉइंट पर समाप्त हुई। रैली में शामिल बाइकर्स ने पंपलेट एवं तख्तियों के माध्यम से दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने, अनावश्यक हॉर्न न बजाने, रेड लाइट का पालन करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा संदेश दिए।

डीसीपी यातायात श्री आनंद कलादगी ने रैली को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सराहना की। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त श्री संतोष कुमार कौल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री नरेश अन्नोटिया, सभी सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात थाना प्रभारी एवं निरीक्षकगण सहित इंदौर पुलिस, यातायात प्रबंधन पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी, ट्रैफिक प्रहरी, बाइकर्स एवं जिम्मेदार नागरिक उपस्थित रहे।

यातायात प्रबंधन पुलिस, इंदौर द्वारा आगामी दिनों में भी सड़क सुरक्षा जागरूकता को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

भागीरथपुरा में नर्मदा पाइपलाइन संधारण कार्य का महापौर ने किया निरीक्षण, सुचारू जलप्रदाय के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा क्षेत्र में नियमित, पर्याप्त एवं सुचारू जलप्रदाय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने गुरुवार प्रातः क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भागीरथपुरा पानी की टंकी परिसर से लेकर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चल रहे नर्मदा पाइपलाइन संधारण कार्यों का स्थल पर जाकर जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर श्री भार्गव ने नर्मदा जलप्रदाय लाइन में किए जा रहे वॉल्व बदलने, रिपेयरिंग तथा अन्य आवश्यक सुधार कार्यों की प्रगति के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पाइपलाइन बदलने एवं संधारण कार्यों में तेजी लाई जाए और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। महापौर ने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में स्थिति सामान्य हो और नागरिकों को निरंतर व पर्याप्त जलप्रदाय मिले, यह नगर निगम की प्राथमिकता है। महापौर श्री भार्गव ने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से जलप्रदाय से जुड़े सभी संधारण एवं मरम्मत कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है, ताकि वर्तमान में जिन क्षेत्रों में जलप्रदाय सुचारू रूप से हो रहा है, उसके साथ-साथ शेष क्षेत्रों में भी किसी प्रकार की असुविधा न हो और नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

महापौर ने झोन क्रमांक 3 का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने गुरुवार को शहीद भगत सिंह झोन क्रमांक 03 अंतर्गत लोखंडे पुल के पास स्थित झोनल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने झोनल कार्यालय परिसर में स्थित विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया तथा कार्यालयीन व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की।

महापौर श्री भार्गव ने कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की जानकारी ली और उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने झोनल कार्यालय परिसर में दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों के लिए बनाए गए विशेष समाधान केंद्र का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय झोनल अधिकारी श्री राज ठाकुर ने महापौर को अवगत कराया कि दिव्यांग एवं वृद्धजनों को कार्यालयीन प्रक्रियाओं में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से यह विशेष समाधान कक्ष स्थापित किया गया है, जिससे उन्हें बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें।

आयुक्त ने झोन 14 में जलप्रदाय व्यवस्था का किया निरीक्षण, गंदे पानी की शिकायतों पर दिए त्वरित सुधार के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने गुरुवार प्रातः झोन क्रमांक 14 के अंतर्गत सुदामा नगर, हवा बांगला रोड, 60 फीट रोड, प्रभु नगर एवं अन्नपूर्णा नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर गंदे पानी की आपूर्ति एवं जलापूर्ति बाधित होने संबंधी शिकायतों के निराकरण हेतु स्थल निरीक्षण किया। यह निरीक्षण विगत दिवस आयोजित जल सुनवाई एवं जलप्रदाय समीक्षा बैठक के दौरान प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए किया गया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने जलप्रदाय एवं सीवरेज व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने पाइपलाइन संधारण, लीकेज की स्थिति, वाल्व संचालन, क्लोरिनेशन प्रक्रिया तथा जलापूर्ति से संबंधित अन्य तकनीकी बिंदुओं की समीक्षा करते हुए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में गंदे पानी की समस्या या जलापूर्ति बाधित होने की शिकायतें हैं, वहां संधारण एवं सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्य पूर्ण होने के पश्चात पुनः निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि समस्या का स्थायी समाधान हो और नागरिकों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

रतलाम मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक में राजदीप परवाल ने रखीं मंदसौर संसदीय क्षेत्र की प्रमुख मांगें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा नामांकित सदस्य राजदीप परवाल ने क्षेत्र में रेल यात्री सुविधाओं के विकास, ट्रेनों के ठहराव, नई ट्रेनों के संचालन तथा स्टेशन विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण मांगें मजबूती से रखीं। राजदीप परवाल ने कहा कि मंदसौर, नीमच, जावरा, पिपलियामंडी, दलौदा, हरकियाखाल, महलगढ़ एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में यात्री प्रतिदिन यात्रा करते हैं, लेकिन पर्याप्त ठहराव और सुविधाओं के अभाव में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने विभिन्न एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों के जावरा, पिपलियामंडी, हरकियाखाल, महलगढ़, दलौदा और विसलवास कला स्टेशनों पर ठहराव देने की मांग रखी। साथ ही उज्जैन-चित्तौड़गढ़ पैसेंजर ट्रेन को अप-डाउन में सभी संबंधित स्टेशनों पर ठहराव देने का प्रस्ताव भी रखा गया।

ट्रेनों के विस्तार एवं नई ट्रेनों की मांग- बैठक में रतलाम रेल मंडल उपभोक्ता सलाहकार समिति सदस्य राजदीप परवाल ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए ट्रेनों के विस्तार और नई ट्रेनों के संचालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस एवं इंदौर- बिलासपुर एक्सप्रेस को फतेहाबाद-रतलाम होते हुए नीमच तक विस्तारित करने, जयपुर-भोपाल (वाया भीलवाड़ा-मंदसौर-रतलाम) नई वंदे भारत ट्रेन के संचालन, इंदौर-दिल्ली शताब्दी/रोहिल्ला एक्सप्रेस तथा इंदौर-बीकानेर महामाया एक्सप्रेस के फेरे बढ़ाने, रतलाम-नीमच रेलखंड के दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद इस रूट पर नई ट्रेनों के संचालन जैसी मांगें रखीं। इसी के साथ ही रतलाम से नीमच ट्रैक का कुछ महीनों में दोहरीकरण कार्य पूर्ण होने वाला है। इसलिए इन्दौर-माता वैष्णोदेवी, इन्दौर हरिद्वार, इन्दौर-जयपुर इन्दौर अहमदाबाद समेत लम्बी दूरी की कुछ नवीन ट्रेनों को फतेहाबाद-रतलाम से मन्दसौर-नीमच होकर प्रारंभ करने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा जाएँ। डेमू के सभी रैंक काफी पुराने हो चुके है। साथ ही विद्युतीकरण का कार्य भी हो चुका है। ऐसे में ईएमयू के

नए रैंक की डिमांड मुख्यालय भेजकर पुराने रैक को रिप्लेस किया जाएँ।

स्टेशन विकास और यात्री सुविधाएं - रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति सदस्य राजदीप परवाल ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत जावरा, पिपलियामंडी और दलौदा स्टेशनों को शामिल करने की मांग करते हुए कहा कि इन स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, शौचालय, पेयजल, लिफ्ट/एस्केलेटर, पार्किंग और प्रकाश व्यवस्था को आधुनिक किया जाना आवश्यक है। नीमच स्टेशन बघ्याना रोड ओव्हरब्रिज, हिंगोरिया फाटक ओवरब्रिज एवं दलौदा ओव्हरब्रिज का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। मन्दसौर स्टेशन के आसपास पिट लाईन बनाई जाए। सिंदपन स्टेशन को रेक पाइंट या लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव बनाकर रेलवे बोर्ड को भेजा जाए। वहीं मंदसौर स्टेशन पर तीसरे प्लेटफार्म के लिए स्थान प्रस्तावित करके तीसरा प्लेटफार्म बनाने की मांग भी बैठक में रखी। उन्होंने मंदसौर स्टेशन पर ड्रेनेज व्यवस्था की स्थायी समस्या, बरसात में प्लेटफॉर्म पर पानी भरने, स्टेशन परिसर के सौंदर्यीकरण और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी उठाए। साथ ही स्टेशन परिसरों में वेंडिंग स्टॉल पर मिलने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता बताई।

एनडब्ल्यूआर से समन्वय और विशेष बैठक की मांग- रेल मंडल उपभोक्ता सलाहकार समिति सदस्य राजदीप परवाल ने बताया कि कुछ ट्रेनें एनडब्ल्यूआर से संबंधित हैं, ऐसे में एनडब्ल्यूआर मंडल के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर नीमच-मंदसौर-रतलाम सेक्शन में नई ट्रेनों और ठहराव की मांगों पर ठोस निर्णय लिया जाना चाहिए। राजदीप परवाल ने कहा कि यदि ये मांगें पूरी होती हैं तो मंदसौर संसदीय क्षेत्र के लाखों यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा, समय की बचत और सुरक्षित यात्रा का लाभ मिलेगा। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने सभी प्रस्तावों को संज्ञान में लेकर संबंधित स्तर पर भेजने का आश्वासन दिया।

दलौदा पुलिस ने फरार ईनामी जाफर लाला सूरजनी को डग से किया गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ एवं गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के द्वारा निर्देश दिए थे, जिसके पालन में शुभम व्यास थाना प्रभारी थाना दलौदा एवं टीम ने मुखबिरी पर मादक पदार्थ में फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी जाफर पिता लाल खान उम्र 45 साल निवासी सुरजनी थाना सीतामऊ जिला मंदसौर को डग जिला झालावाड राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है। इस अभियान में अब तक 10 से अधिक फरार तस्करो की गिरफ्तार करने में दलौदा पुलिस को सफलता मिली है। घटना अनुसार 28.06.2025 को आरोपी शोयल खां पिता जाफर खाँन उम्र 22 साल निवासी सुरजनी थाना सीतामऊ से कुल 150 ग्राम एम.डी., प्लास्टिक की थैली में 01 किलो डोडाचुरा मिला था। अपराध सदर में आरोपी जाफर खान एवं अन्य साथी घटना दिनांक से फरार चल रहे हैं, जिन्हे पकडने के लिये विशेष टीम का गठन की गई थी जिनके द्वारा तकनीकी साक्षीयो के आधार पर वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार घटना दिनांक से मौके से फरार चल रहे इनामी फरार आरोपी जाफर पिता लाल खान निवासी सुरजनी को पकड़ा गया है। इस सराहनीय कार्य उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी दलौदा, सउनि कैलाश सिंह बघेल, प्रआर. हरीश यादव, प्रआर. जितेन्द्र सिंह गौर, आर. परिमाल सिंह , आर. चालक मुकेश नैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गरोठ में जुआं खेलते रंगे हाथ पकड़ाए 8 व्यक्ति, 32 हजार नकदी एवं 2 पेटी में शराब जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ थाना पुलिस ने मुखबिरी पर जुआं अड्डा पर दबिश दी, जहां से 8 व्यक्ति रंगे हाथ पकड़ाए हैं। जुएं की फड़ से 32 हजार नकदी मिलना बताया गया है। तलाशी में 2 पेटी में देशी शराब भी मिली है। यह कार्रवाई गरोठ एसडीओपी विजय यादव एवं थाना प्रभारी गरोठ निरीक्षक हरीश मालवीय एवं उनकी टीम द्वारा की गई है। घटना अनुसार 22 जनवरी को मुखबीर सूचना पर शमशान के पास बोलिया रोड गरोठ से 08 व्यक्तियो को जुआं खेलते तथा अवैध देशी प्लेश शराब के साथ पकडा। सभी के कब्जे से 32 हजार रूपये नकदी, 03 मोबाईल, 02 पेटी मे 80 क्वार्टर प्लेन देशी शराब, 03 बाइक बरामद की गई। नाम आरोपी में सिराज पिता युसुफ मोहम्मद उम्र-42 वर्ष निवासी सम्यक कालोनी भानपुरा रोड गरोठ, राहुल पिता रामलाल खाती उम्र-35 वर्ष निवासी गरोठ, दयाराम पिता देवीलाल गुर्जर उम्र-40 वर्ष निवासी बोलिया रोड गरोठ, गोपाल पिता मांगीलाल खाती उम्र-48 वर्ष निवासी खाती मोहल्ला गरोठ, सोनू पिता शान्तीलाल चौहान उम्र-20 वर्ष निवासी गांधी चौक गरोठ, श्यामलाल पिता बालाराम मालवीय उम्र-36 वर्ष निवासी गरोठ, दीपक पिता श्यामलाल खाती उम्र-31 वर्ष निवासी गरोठ, राजेन्द्र पिता बालाराम खाती उम्र-20 वर्ष निवासी खाती मोहल्ला गरोठ हैं।

राजस्व एवं न.पा.की टीम ने रावणरूण्डी से हटाया अतिक्रमण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा जिले में शासकीय जमीनों के संरक्षण एवं शासकीय जमीनों को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं एसडीएम श्री संजीव साहू के मार्गदर्शन में तहसीलदार डॉ.अजेन्द्र नाथ प्रजापति एवं राजस्व टीम ने प्रभावी कार्यवाही कर नीमच शहर के रावणरूण्डी में एक लाख रूपये मूल्य की 0.010 हेक्टेयर जमीन अतिक्रमण मुक्त करवाई गई है।

दिनदहाड़े लूट की झूठी कहानी का खुलासा, चंद घंटों में चीताखेड़ा पुलिस ने खोला राज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के चीताखेड़ा क्षेत्र में दिनदहाड़े रिवाल्वर के दम पर लूट की सूचना से हड़कंप मच गया, लेकिन कुछ ही घंटों में पुलिस ने मामले का पर्दाफाश कर दिया। जांच में सामने आया कि कथित लूट की कहानी पूरी तरह मनगढ़ंत थी और शिकायतकर्ता महिला स्वयं ही इसकी सूत्रधार निकली। बुधवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे एक महिला ने पुलिस सहायता केंद्र चीताखेड़ा पर शिकायत दर्ज कराई कि इलाज के बहाने मोटरसाइकिल से आए दो युवक और एक अधेड़ महिला ने उसके घर में घुसकर रिवाल्वर तानते हुए सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी लूट ली। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी राजेंद्र सिंह सिसौदिया मौके पर पहुंचे और मामले की गहनता से जांच शुरू की। पूछताछ और तथ्यों के विश्लेषण में खुलासा हुआ कि न तो कोई बीमार व्यक्ति इलाज के लिए आया था और न ही किसी प्रकार की लूट हुई थी। जांच में यह भी सामने आया कि महिला ने स्वयं ही गांव में दो अलग-अलग बार जौहरी के यहां जाकर अपने सोने-चांदी के आभूषण बेच दिए थे और बाद में झूठी लूट की कहानी गढ़ दी। पुलिस ने कुछ ही घंटों में पूरे मामले का खुलासा कर दिया। फिलहाल महिला से पूछताछ जारी है और झूठी सूचना देने के मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

150 वर्ष का वंदे मातरम् : नूतन स्टेडियम में 1500 विद्यार्थियों के सामूहिक गायन से गूंजी राष्ट्र चेतना

नागरिक अनुशासन, संसाधन संरक्षण और कर्तव्य पालन से ही राष्ट्र सशक्त होता है–राजमोहन सिंह

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गुरुवार को नूतन स्टेडियम में ऐसा दृश्य साकार हुआ, जब राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने की स्मृति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हजारों कंठों के स्वर में जीवंत हो उठी। राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और भारतीय चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां एक साथ गूंजे वंदे मातरम् के स्वर ने वातावरण को भावविभोर कर दिया। यह आयोजन मात्र सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों, वर्तमान की जिम्मेदारियों और भविष्य के संकल्प का सशक्त प्रतीक बन गया।

केशव स्मारक समिति, मंदसौर एवं भारत विकास परिषद, शाखा मंदसौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस भव्य समारोह में जिले के 20 से अधिक विद्यालयों के लगभग 1500 विद्यार्थियों ने एक मंच पर एक स्वर, एक लय और एक भावना के साथ सम्पूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। जब बाल कंठों से राष्ट्गीत का उच्चारण हुआ, तब नूतन स्टेडियम राष्ट्रभक्ति की चेतना से गूंज उठा और यह क्षण मंदसौर के सांस्कृतिक इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया। समारोह की अध्यक्षता सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त डीआईजी डॉ. पी.एन. सोलंकी ने की। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत प्रचारक राजमोहन सिंह रहे। मंच पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक दशरथसिंह झाला भी उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता राजमोहन सिंह ने संबोधन में कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित वंदे मातरम् भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वह क्रांतिकारी महामंत्र रहा है, जिसने देशवासियों के मन में मातृभूमि के प्रति भक्ति, त्याग और समर्पण की अलख जगाई। यह गीत अंग्रेजी शासन की पीड़ा और देश की वेदना से जन्मा। 24 जनवरी 1950 को भारत सरकार द्वारा इसे राष्ट्गीत के रूप में स्वीकार किया गया, क्योंकि यह देशबोध और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करता है। आपने कहा कि जो देश संसाधनों का सम्मान करते हैं और जहां के नागरिक अनुशासन का पालन करते हैं, वही देश विश्व में आगे बढ़ते हैं। भारत को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाना है तो हमें स्वयं को बदलना होगा। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के प्रांत अध्यक्ष घनश्याम पोरवाल एवं जिलाध्यक्ष डॉ. आशीष अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। लोटस वैली स्कूल के विद्यार्थियों ने 'संगठन गढ़े चलो' गीत पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। सहभागी विद्यार्थियों एवं विद्यालयों को प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। संचालन नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने किया। आभार डॉ. आशीष अग्रवाल ने माना।

मंच ठुकराया, माला लौटाई और सरकार पर सीधा वार, नीमच से उठी आवाज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश की सियासत में बुधवार को नीमच से ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने सीधे चौपाल से भोपाल की सत्ता को कटघरे में खड़ा कर दिया।

जीरन ब्लॉक के ग्राम बांसखेड़ा में जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले आयोजित 'मनरेगा बचाओ चौपाल' महज़ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार के खिलाफ खुला राजनीतिक एलान बन गया।

नीमचङ्कमंदसौर संसदीय क्षेत्र की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन जैसे ही चौपाल में पहुंचीं, उन्होंने नेताओं के लिए मंच को ठुकरा दिया।

मंच पर बैठने से साफ इंकार करते हुए उन्होंने दो टूक कहा - यह भाषण का मंच नहीं, गरीबों के हक़ की चौपाल है। हम नेताओं के साथ नहीं, ग्रामीणों के बीच बैठेंगे।

इतना ही नहीं, स्वागत के लिए हाथों में माला लिए खड़े नेताओं को भी उन्होंने रोक दिया।

कहा - स्वागत और सत्कार का नहीं, आंदोलन की रूपरेखा तय करने का वक्त है।

इसके बाद नटराजन ने वहां मौजूद महिलाओं और मनरेगा मजदूरों के साथ बैठकर महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माला अर्पित की और वहीं से चौपाल की कमान संभाली।

'मनरेगा की आत्मा पर हमला' सरकार पर सीधा आरोप- पत्रकारों के सवाल पर मीनाक्षी नटराजन ने बड़ा दावा करते हुए कहा - मनरेगा का नाम बदलकर 'जी राम जी विकसित भारत' कर दिया गया है। नाम बदलने से हमें आपत्ति नहीं, लेकिन इस योजना की आत्मा पर चोट की गई है - यही असली अपराध है।

उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि -काम चुनने का अधिकार गरीबों से छीना गया बेरोज़गारी भत्ते का हक खत्म कर दिया गया ग्राम सभा से निर्णय का अधिकार छीन लिया गया नटराजन ने साफ चेतावनी दी।

नीमच में वर्दी का रौब दिखाकर आरक्षक पति ने शराब के नशे में किया पत्नी के साथ घिनौना काम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम के स्टेशन रोड थाना दो-बत्ती में पदस्थ आरक्षक हरिसिंह बावरी ने बुधवार रात करीब 8 बजे शराब के नशे में अपने ससुराल में पत्नी जीवनबाला पर चाकू से हमला कर दिया। घटना नीमच सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम केलुखेड़ा में हुई। पुलिस के अनुसार जीवनबाला पिछले लगभग छह माह से अपने मासूम बच्चे के साथ मायके में रह रही थी। वह डिलीवरी के बाद से यहीं ठहरी हुई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़िता ने बताया कि हरिसिंह बावरी घर में घुसते ही गाली-गलौज और धक्का-मुक्की करने लगा। जब पीड़िता की मां बीच-बचाव के लिए आई तो आरोपी ने उनका गला दबा दिया और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने चाकू निकालकर जीवनबाला पर हमला कर दिया। बचाव के दौरान महिला की उंगलियां गंभीर रूप से कट गईं और वह लहूलुहान हो गई। परिजन तुरंत उसे जिला चिकित्सालय ले गए, जहां उसका इलाज जारी है।

अस्पताल में भर्ती जीवनबाला ने बताया कि उसका पति अपनी वर्दी और पद का रौब दिखाकर उसे लगातार प्रताड़ित करता था। महिला ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सीतामऊ में साहित्य महोत्सव नॉलेज कुंभ के रूप में विकसित हो रहा, 29 से होगा शुरू

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 29 से 31 जनवरी तक द्वितीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव का आयोजन सीतामऊ स्थित नटनगर शोध संस्थान में किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में कलेक्टर अदिती गर्ग ने पत्रकारों को महोत्सव के उद्देश्य, गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।कलेक्टर गर्ग ने बताया कि सीतामऊ में आयोजित यह साहित्य महोत्सव ÷नॉलेज कुंभ÷ के रूप में विकसित हो रहा है। यह आयोजन सभी के लिए पूर्णतः खुला है। महोत्सव के माध्यम से इतिहास, संस्कृति, साहित्य, कला एवं स्थानीय विरासत पर विशेष फोकस किया गया है। यह आयोजन इतिहास, साहित्य एवं कला का एक समागम है, जिससे शोध एवं ज्ञान के प्रचार-प्रसार को भी बढ़ावा मिलेगा। महोत्सव के अंतर्गत नेचर वॉक, रिवर सफारी, बर्ड वॉचिंग, जंगल सफारी जैसी प्रकृति आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। अलग-अलग दिनों में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों को आमंत्रित किया गया है। कवियों के साथ इतिहासकारों, पर्यावरणविदों एवं प्रेस जगत से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों की सहभागिता रहेगी।

कलेक्टर ने कहा कि स्थानीय कवियों एवं स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। 30 जनवरी की शाम को भव्य कवि सम्मेलन आयोजित होगा। महोत्सव के माध्यम से देश-प्रदेश के लोगों को सीतामऊ की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत से रूबरू कराया जाएगा तथा स्थानीय हस्तियों को भी प्रमोट किया जाएगा। इसमें कोई भी व्यक्ति अपनी रुचि एवं अभिरुचि के अनुसार सहभागिता कर सकता है। उन्होंने बताया कि स्कूल के बच्चों के माध्यम से तारामंडल संबंधी गतिविधियाँ आयोजित होंगी। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जिनमें पुस्तकें, पेंटिंग, दुपट्टे, रुमाल, स्थानीय उत्पाद एवं खाद्य सामग्री उपलब्ध रहेगी। इस महोत्सव में पहली बार ÷नेचर सेंसस÷ का विमोचन किया जाएगा। साथ ही पुराने समय में मंदसौर में आयोजित हुए साहित्य महोत्सवों से संबंधित एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कलेक्टर अदिती गर्ग ने जिलेवासियों, साहित्यप्रेमियों एवं पर्यटकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस तीन दिवसीय साहित्य महोत्सव में सहभागिता कर सीतामऊ की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत का अनुभव करें।

मनरेगा पर हमला बर्दाश्त नहीं, गांव-गांव उठेगी मजदूरों की आवाज- मीनाक्षी नटराजन

बासखेड़ा में 'मनरेगा बचाओ चौपाल' व पंचायत कांग्रेस कमेटी गठन, कांग्रेस ने ग्रामीण हक की लड़ाई का किया शंखनाद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने के विरोध में आज ग्राम बासखेड़ा में 'मनरेगा बचाओ चौपाल' एवं 'पंचायत कांग्रेस कमेटी' के गठन का विशाल कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री सुश्री मीनाक्षी नटराजन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस ने ग्रामीण मजदूरों के हक की लड़ाई को गांव-गांव तक ले जाने का शंखनाद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कांग्रेस ने इसे कानून बनाकर मजदूरों को अधिकार के रूप में दिया था, लेकिन आज भाजपा सरकार बजट में कटौती कर इसे खत्म करने की साजिश रच रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मजदूरों का पसीना और उनका हक कांग्रेस की प्राथमिकता है और अब पंचायत स्तर पर गठित कमेटियां हर मजदूर की आवाज बनकर किसी भी स्तर पर होने वाली धांधली को रोकेंगी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर मनरेगा को तकनीकी पेच और बजट की कमी के बहाने दमघोंटू स्थिति में ले जा रही है। उन्होंने कहा कि मजदूरों को समय पर भुगतान न मिलना और काम के बदले मशीनों का उपयोग करना ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रहार है। बाहेती ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी अब पंचायत स्तर पर सशक्त निगरानी तंत्र खड़ा कर रही है ताकि गरीब का हक कोई बिचौलिया न छीन सके और हर हाथ को काम की गारंटी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि लड़ेंगे और जीतेंगे के संकल्प के साथ कांग्रेस अब चुप नहीं बैठेगी।

पीडित महिला का वन स्टॉप सेंटर बना सहारा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नीमच श्री बी.एस. कलेश के निर्देशन में वन स्टॉप सेन्टर (सखी) नीमच का संचालन किया जा रहा है। यह वन स?टाप सेंटर पीडित महिलाओं के लिए आश्रय का सहारा बन रहा है। जिला महिला बाल विकास अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया, कि महिला संगीता को तीर्थ यात्रा करवाने के बहाने से जिला भागलपुर बिहार से ग्राम सरवानिया महाराज तहसील जावद जिला नीमच लाया गया। महिला को डरा धमकाकर विवाह के लिये लड़को व उनके परिवार से मिलवाया जा रहा था। परिवर्तित नाम हंसा व उसका पति बिहार से लड़कियों को बुलाकर पैसो के बदले विवाह करवाने का काम करते है। महिला संगीता एक दिन मौका पाकर हंसा व उसके पति के घर से भाग निकली, मौहल्ले वालो की मदद् से महिला सरवानिया चौकी पहुँची।

महिला पुलिस थाने द्वारा अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के आदेश से महिला संगीता को सुरक्षा की दृष्टि से वन स्टॉप सेन्टर सखी की आश्रय व्यवस्था में रखा गया। महिला को वन स्टॉप सेन्टर में आश्रय, चिकित्सा, परामर्श व पुलिस सहायता दी गई। महिला संगीता के परिवार का पता लगाने में वन स्टॉप सेन्टर सखी की प्रभारी प्रशासक श्रीमती दिपिका नामदेव एवं उनकी टीम तथा स्टॉफ और पुलिस प्रशासन ने प्रयास करके महिला के परिजनों के निवास स्थल का पता लगाया और उन्हें उनकी बच्ची के वन स्टॉप सेन्टर सखी में सुरक्षित होने की सूचना दी। महिला के परिजनों को बिहार से नीमच बुलाया गया।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदय के आदेश के पश्चात महिला संगीता को पुलिस के सुर्पुद किया गया, ताकि महिला संगीता की माता की शिनाक्त के पश्चात महिला संगीता को उसकी माता के सुर्पुद किया जा सके। इस तरह वन स्टॉप सेन्टर (सखी) नीमच महिला पीड़ित परिवर्तित नाम महिला संगीता का अंजान शहर में एक सुरक्षित सहारा बना है।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अलावा अन्य संगठनों का बदलेगा नाम

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रमजीवी पत्रकार के नाम पर अब केवल मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ही अस्तित्व में रहेगा। जो संगठन श्रमजीवी पत्रकार के नाम पर पंजीकृत हैं उन्हें अपना नाम बदलना पड़ेगा, साथ ही अब श्रमजीवी पत्रकार के नाम से किसी अन्य संगठन का पंजीयन भी नहीं हो सकेगा। दरअसल, रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं भोपाल द्वारा भोपाल-नर्मदारपुरम संभाग, इंदौर संभाग, उज्जैन संभाग, सागर संभाग, ग्वालियर-चम्बल संभाग, रीवा-शहडोल संभाग एवं जबलपुर संभाग के असिस्टेंट रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं को निर्देशित किया गया है कि आपके कार्यालय में पंजीकृत श्रमजीवी पत्रकार संघों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही कर विधि अनुसार नाम संशोधित करने की कार्यवाही करें। रजिस्ट्रार ने यह भी कहा है कि श्रमजीवी पत्रकार संघ के नाम से विभिन्न जिलो में पंजीयन के समय गहन जॉचकर ही कार्यवाही की जाये। रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं भोपाल ने यह आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के पक्ष में पारित निर्णय के अनुपालन में जारी किया गया है। गौरतलब है कि इस संबंध में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया ने मिलते-जुलते नाम से पंजीकृत संगठनों के खिलाफ जिला व संभाग स्तर से लेकर उच्च न्यायालय तक लंबी लड़ाई लड़ी।

सम्पादकीय

बालिका विकास के बन्द दरवाजे खोलने का समय

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरुआत 2008 में हुई; जिसके माध्यम से बालिकाओं की तस्वीर बदल रही है, जहाँ अब वे शिक्षा, खेल और नेतृत्व में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और कुपोषण जैसी चुनौतियां अभी भी हैं, जिन्हें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं और कानूनों से दूर करने का प्रयास जारी है, जिससे वे समाज का गौरव और प्रगति का चेहरा बन सकें। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना, लैंगिक भेदभाव को कम करना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जोर देना है। बालिकाएं अब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। कानूनी उपाय जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोक्सो अधिनियम और सरकारी योजनाएं जैसे मिशन वात्सल्य, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन आदि बालिकाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। इन सबके बावजूद आज भी बालिकाएं शोषण एवं भेदभाव का शिकार है। बालिका लिंगानुपात में भले ही सुधार हुआ है, लेकिन बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएँ अभी भी मौजूद हैं। बालिकाओं में एनीमिया और कम वजन जैसी पोषण संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने और बालिकाओं को समान अवसर देने की आवश्यकता है।

आजादी के अमृत काल में भारत स्वयं को एक नए आत्मविश्वास, नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ गढ़ रहा है। इस परिवर्तनशील भारत की सबसे मजबूत आधारशिला यदि कोई है, तो वह है-बालिका। राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है कि आज हमारी बालिकाएं किस दशा में हैं, किस दिशा में बढ़ रही हैं और समाज उनके लिए कैसा भविष्य रच रहा है। यह भी प्रश्न है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहां बालिका जन्म से ही बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता मानी जाए। दोनों हाथ एक साथ को चरितार्थ करते हुए पुरुष एवं नारी दोनों की शक्ति से नया भारत निर्मित हो रहा है। पिछले कुछ दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ी है, खेल, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति और उद्यमिता में बालिकाओं और महिलाओं ने असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज ग्रामीण भारत की बेटियां भी अंतरिक्ष विज्ञान, स्टार्टअप, सेना और सिविल सेवाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह परिवर्तन संकेत देता है कि आजादी के अमृत काल में महिलाओं और बालिकाओं की भूमिका केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी होगी और यही राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर की ओर ले जाने वाली शक्ति बनेगी। लेकिन इस उजली तस्वीर के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। आज भी बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध, शोषण, यौन हिंसा, घरेलू अत्याचार, बाल विवाह और साइबर उत्पीड़न जैसी घटनाएं समाज की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। बलात्कार और हिंसा की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, वे हमारी सामूहिक मानसिकता की विफलता का परिणाम हैं। जब एक बच्ची की सुरक्षा घर, स्कूल, सड़क और डिजिटल दुनिया-कहीं भी सुनिश्चित नहीं होती, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि विकास के दावे अधूरे हैं। नए भारत, विकसित भारत और समता-मूलक भारत की परिकल्पना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का केंद्रबिंदु नारी-शक्ति और विशेषकर बालिकाओं का सशक्तिकरण है। उनका दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के रूपांतरण का आह्वान करता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं ने बालिका को बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र की पूंजी के रूप में देखने की दृष्टि विकसित की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने बालिकाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश है कि जब तक बालिका शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर नहीं होगी, तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। उनकी व्यापक सोच बालिका को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की सक्रिय सहभागी मानती है। यही कारण है कि आज की बालिकाएं आत्मविश्वास के साथ विज्ञान, खेल, प्रशासन और उद्यमिता में आगे बढ़ रही हैं और आने वाला भारत नारी-शक्ति के नेतृत्व में संतुलित, समतामूलक और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरता दिखाई देता है।

भारत की जीवनरेखा पर खेला जा रहा वैश्विक दांव

इतिहास बताता है कि युद्ध हमेशा बंदूकों से नहीं लड़े जाते; कई बार नदियाँ, सड़कें और परियोजनाएँ ही हथियार बन जाती हैं। आज भारत के उत्तर-पूर्वी प्रवेशद्वार पर ऐसा ही एक खतरनाक खेल रचा जा रहा है। उत्तर बांग्लादेश की शांत दिखने वाली सीमाओं के पीछे एक गहरी रणनीतिक चाल आकार ले रही है, जिसका केंद्र तीस्ता नदी है और निशाना भारत का सिलीगुड़ी कॉरिडोर–देश की तथाकथित ÷चिकन नेक÷। जनवरी 2026 में चीनी राजदूत याओ वेन का बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ तीस्ता परियोजना स्थल का दौरा महज औपचारिक निरीक्षण नहीं था, बल्कि भारत की सामरिक नब्ज को टटोलने का साहसिक प्रयास था। भारत की जीवनरेखा से कुछ ही किलोमीटर दूर हुआ यह दौरा इसे सामान्य नहीं, बल्कि असाधारण रूप से चिंताजनक बनाता है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर केवल 22 किलोमीटर चौड़ा वह संकरा गलियारा है जो भारत की मुख्य भूमि को उसके आठ पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से घिरे इस क्षेत्र में यदि कभी अवरोध पैदा हुआ, तो पूरा पूर्वोत्तर देश से कट सकता है। चीन इस भौगोलिक कमजोरी को वर्षों से समझता रहा है और अब उसे भुनाने की दिशा में ठोस कदम उठाता दिख रहा है। तीस्ता मास्टर प्लान के नाम पर ड्रेजिंग, तटबंध, जलाशय और भूमि पुनर्प्राप्ति जैसे कार्य प्रस्तावित हैं, जिनमें चीनी कंपनियों की प्रमुख भूमिका बताई जा रही है। बांग्लादेश इसे विकास का अवसर बता रहा है, लेकिन सामरिक विशेषज्ञों के लिए यह वह कसती रस्सी है जो धीरे-धीरे भारत की गर्दन के चारों ओर डाली जा रही है।

मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का रुख इस आशंका को और गहरा करता है। जल संसाधन सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन का चीनी राजदूत के साथ मौके पर जाना और चीन की ÷तत्काल रुचि÷ को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करना संकेत देता है कि ढाका अब दिल्ली की संवेदनाओं से अधिक बीजिंग की ओर झुक रहा है। लालमोनिरहाट एयरबेस को पुनः सक्रिय करने की चर्चाएँ और वहां संभावित चीनी मौजूदगी की आशंका पूरे घटनाक्रम को और भी संदिग्ध बना देती है। ये सभी कड़ियाँ मिलकर ऐसा परिदृश्य रचती हैं, जिसमें विकास की आड़ में सैन्य और खुफिया संभावनाओं के बीज बोए जा रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश संबंधों की पृष्ठभूमि पहले से ही तनाव से भरी रही है। तीस्ता जल बंटवारे पर 2011 का अंतरिम समझौता आज तक अधर में अटका है। पश्चिम बंगाल की आपत्तियाँ और केंद्र-राज्य समन्वय की कमी ने इस मसले को सुलझने नहीं दिया। अब इसी भ्रम और खालीपन का लाभ चीन उठाता दिख रहा है। दिसंबर 2025 में ढाका में हुए भारत-विरोधी प्रदर्शन और भारतीय दूतावास पर हमले की कोशिशों ने स्पष्ट कर दिया था कि बांग्लादेशी राजनीति में भारत के प्रति माहौल बदल चुका है। यूनुस का पूर्वोत्तर को ÷लैंडलॉक्ड÷ बताकर तंज कसना और चीन की आर्थिक ताकत का उल्लेख करना, इस बदले रुख की खुली अभिव्यक्ति थी।

तीस्ता परियोजना के लिए चीन से मांगा गया 853 मिलियन डॉलर का ऋण केवल एक आर्थिक लेन-देन नहीं, बल्कि रणनीतिक निर्भरता की शुरुआत है। इतिहास गवाह है कि जहां-जहां चीन ने कर्ज के जरिये प्रवेश किया, वहां उसने धीरे-धीरे राजनीतिक और सैन्य प्रभाव भी कायम किया।

श्रीलंका का हम्बनटोटा बंदरगाह इसका सशक्त उदाहरण है। यदि तीस्ता पर चीन की पकड़ मजबूत होती है, तो जल नियंत्रण भविष्य में दबाव का औजार बन सकता है। सूखे में पानी रोकना या मानसून में बाढ़ की स्थिति बनाना, पूर्वोत्तर राज्यों में अस्थिरता फैलाने के लिए काफी होगा।

भारतीय खुफिया एजेंसियां इस खतरे को हल्के में नहीं ले रही हैं। रॉ और अन्य सुरक्षा संस्थान तीस्ता क्षेत्र में चीनी गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। आशंका यह भी है कि इंजीनियरिंग और तकनीकी टीमों के साथ-साथ खुफिया नेटवर्क भी जमीन पर सक्रिय किए जा सकते हैं। यदि सिलीगुड़ी कॉरिडोर के आसपास किसी भी तरह की सैन्य या निगरानी संरचना खड़ी होती है, तो यह भारत की सुरक्षा के लिए सीधी चुनौती होगी। यह केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अखंडता से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है।

चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की पृष्ठभूमि में तीस्ता परियोजना को देखें तो पूरी तस्वीर और भी साफ हो जाती है। दक्षिण एशिया में भारत को घेरने की रणनीति के तहत पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और अब बांग्लादेश में चीनी मौजूदगी लगातार बढ़ाई जा रही है। आर्थिक सहायता, अस्पताल, सड़कें और बांध–ये सभी केवल साधन हैं, असली लक्ष्य है प्रभाव और नियंत्रण। बांग्लादेश के लिए यह सौदा अल्पकाल में लाभकारी लग सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यह उसकी संप्रभुता के लिए जोखिम भरा सिद्ध हो सकता है।

अब भारत के सामने समय की सबसे कठिन परीक्षा है। कूटनीतिक शिष्टाचार से आगे बढ़कर स्पष्ट और ठोस रणनीति अपनाना आवश्यक हो गया है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को अभेद्य बनाना, सीमाओं पर निगरानी और आधारभूत ढांचे को सशक्त करना, तथा पूर्वोत्तर को हर मौसम में निर्बाध रूप से जोड़ने वाली वैकल्पिक व्यवस्थाएँ विकसित करना अनिवार्य है। साथ ही, तीस्ता जल समझौते पर राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए समाधान निकालना होगा, ताकि चीन को हस्तक्षेप का अवसर ही न मिले।

यदि समय रहते इस खतरे को नहीं समझा गया, तो चिकन नेक केवल एक उपमा नहीं, बल्कि भारत की वास्तविक कमजोरी बन सकती है। यह सिर्फ एक नदी या एक परियोजना का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की एकता, संप्रभुता और भविष्य की दिशा से जुड़ा निर्णायक क्षण है। आज भारत को सतर्क, संगठित और निर्णायक होना होगा, क्योंकि इतिहास उसी को याद रखता है जो आने वाले खतरे को समय रहते पहचानकर उसका सामना करता है।

-प्रो. आरके जैन

सनातन वैदिक संस्कृति और साहित्य सत्य की तरह सदैव प्रासंगिक एवं परमार्थ उपयोगी

साहित्य सत्य की साधना शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना हैद्य शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस मैं संचारित करता आ रहा है और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियाँ आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती हैद्य राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य धरातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है। उनकी रचनाएं सभी जगह एक और समान हैद्य यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध्ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को ÷जीवन की आलोचना÷ भी कहा है।

साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसकी सृष्टि करने वाला भी ठीक से नहीं घोषणा कर सकता है कि उसके द्वारा रचे गये साहित्य की अनुगूंज कब और कहां तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य मैं भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहिब से और अर्वाचीन संस्कृति दिशा दर्शन और माननीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है। यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों,संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं। और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

-संजीव ठाकुर

हनी ट्रैपः भय, बदनामी और अपराध का संगठित जाल

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में हनी ट्रैप के जरिए आम नागरिकों को फंसाकर ब्लैकमेल करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश न केवल एक आपराधिक नेटवर्क का खुलासा है, बल्कि समाज के भीतर गहराते भय, चुप्पी और बदनामी की मानसिकता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यह मामला दर्शाता है कि किस तरह मानवीय कमजोरियों, सामाजिक संकोच और कानूनी डर का इस्तेमाल कर कुछ गिरोह सुनियोजित तरीके से लोगों को आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से बर्बाद कर रहे हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि इस गिरोह में शामिल कुछ महिलाएं योजनाबद्ध ढंग से आम नागरिकों से संपर्क साधती थीं, उनसे दोस्ती और भावनात्मक नजदीकी बढ़ाती थीं, फिर उन्हें आपत्तिजनक परिस्थितियों में फंसा कर झूठे दुष्कर्म, अपहरण, मारपीट या अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम वसूलती थीं। यह कोई आकस्मिक अपराध नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत संचालित संगठित अपराध था।

जांच एजेंसियों के अनुसार इस गिरोह की कार्यप्रणाली बेहद सुनियोजित और चरणबद्ध थी। पहले चरण में आरोपी महिलाएं सोशल मीडिया, फोन कॉल या व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से संभावित शिकार से दोस्ती करती थीं। धीरे-धीरे भावनात्मक या व्यक्तिगत नजदीकी बढ़ाई जाती थी, जिससे पीड़ित को किसी खतरे का आभास न हो।

दूसरे चरण में पीड़ित को ऐसी स्थिति में ले जाया जाता था, जहां उसके खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री या परिस्थितियाँ बनाई जा सकें। इसके बाद तीसरे और सबसे खतरनाक चरण में शुरू होता था भय का खेल–झूठे मुकदमों, पुलिस कार्रवाई, सामाजिक बदनामी और परिवार की प्रतिष्ठा पर आंच की धमकियों के जरिए ब्लैकमेलिंग।

कई मामलों में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिलाएं अकेली नहीं थीं। उनके पति, प्रेमी या अन्य पुरुष सहयोगी इस पूरे षड्यंत्र में सक्रिय भूमिका निभाते थे–कभी धमकी देने वाले बनकर, कभी फर्जी गवाह के रूप में और कभी कथित अपहरण या मारपीट की कहानी रचने में सहायक बनकर।

पुलिस के अनुसार इन मामलों में ब्लैकमेलिंग, अवैध रूप से बंधक बनाना, अपहरण, मारपीट, लूट और आपराधिक षड्यंत्र जैसी गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। यह स्पष्ट करता है कि यह अपराध केवल नैतिक या सामाजिक दायरे तक सीमित नहीं, बल्कि विधि व्यवस्था के लिए सीधी चुनौती है।

जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ आरोपी महिलाएं पहले भी हनी ट्रैप के मामलों में जेल जा चुकी हैं, जबकि कुछ के खिलाफ अन्य आपराधिक प्रकरण अभी अनुसंधान के अधीन हैं। इसका अर्थ यह है कि यह अपराध किसी एक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से सक्रिय एक नेटवर्क का हिस्सा है, जो बार-बार नए शिकार तलाशता रहा।

इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अधिकांश पीड़ित सामाजिक बदनामी के भय से लंबे समय तक सामने नहीं आए। भारतीय समाज में आज भी व्यक्तिगत संबंधों, नैतिकता और इज्जत को लेकर गहरी संवेदनशीलता है। इसी मानसिकता का लाभ उठाकर ऐसे गिरोह लोगों को चुप रहने पर मजबूर कर देते हैं।

पीड़ित यह सोचकर डरते हैं कि यदि उन्होंने पुलिस से संपर्क किया तो समाज, परिवार या कार्यस्थल पर उनकी छवि खराब हो जाएगी। इसी डर का इस्तेमाल कर आरोपी बार-बार रकम वसूलते रहे। कई मामलों में पीड़ितों से लाखों रुपये तक की उगाही की गई, फिर भी धमकियों का सिलसिला खत्म नहीं हुआ।

पुलिस का स्पष्ट कहना है कि ऐसे मामलों में चुप्पी अपराधियों को और मजबूत करती है। जितना अधिक समय पीड़ित डर के कारण चुप रहता है, उतना ही अधिक वह अपराधी के नियंत्रण में चला जाता है। यही कारण है कि भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने आमजन से अपील की है कि ऐसे किसी भी मामले में भयभीत न हों और तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि पीड़ित की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और जांच के दौरान उसकी सुरक्षा और सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा। महिला हो या पुरुष–किसी भी आरोपी को कानून के दायरे से बाहर नहीं रखा जाएगा।

यह मामला एक और संवेदनशील प्रश्न उठाता है–कानून का दुरुपयोग। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, लेकिन जब इन्हीं कानूनों का इस्तेमाल झूठे आरोपों और ब्लैकमेलिंग के लिए किया जाता है, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान वास्तविक पीड़ितों को होता है।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हनी ट्रैप जैसे मामलों को उजागर करना महिलाओं के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून के दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई है। न्याय प्रणाली की साख तभी बनी रह सकती है जब वह हर मामले को निष्पक्षता से देखे–चाहे आरोपी महिला हो या पुरुष। हनी ट्रैप जैसे संगठित अपराध केवल पुलिस कार्रवाई से पूरी तरह खत्म नहीं हो सकते। इसके लिए समाज को भी अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। पीड़ित को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति, चरित्र पर सवाल उठाने की मानसिकता और बदनामी का भय–ये सभी अपराधियों के सबसे बड़े हथियार हैं।

प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह ऐसे मामलों में तेज, निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई करे, वहीं समाज की जिम्मेदारी है कि वह पीड़ित के साथ खड़ा हो, न कि उसे कटघरे में खड़ा करे।

भीलवाड़ा जिले में सामने आया हनी ट्रैप गिरोह का खुलासा एक चेतावनी है–आम नागरिकों के लिए भी और व्यवस्था के लिए भी। यह मामला दिखाता है कि अपराध अब केवल हथियारों से नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, भय और सामाजिक कमजोरियों से भी किया जा रहा है। ऐसे समय में सबसे जरूरी है–जागरूकता, साहस और कानून पर भरोसा। जब पीड़ित चुप्पी तोड़ेंगे, तभी अपराधियों का यह जाल कमजोर पड़ेगा। पुलिस की अपील और कार्रवाई तभी सफल होगी, जब समाज डर के बजाय सच का साथ देगा।

हनी ट्रैप केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक और कानूनी चुनौती है। इसका समाधान भी सामूहिक साहस, संवेदनशील सोच और निष्पक्ष न्याय में ही निहित है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ,

सभी सृजनात्मक कार्य साक्षात् मां शारदा का ही आशीर्वाद हैं

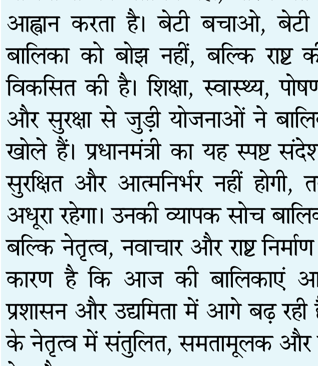

सरस्वतीं च तां नौमि
वागधिष्ठातृदेवताम।
देवत्वं प्रतिपद्यन्ते यदनुग्रहतो जना॥

वाणी की अधिष्ठात्री उन देवी सरस्वती को प्रणाम करता हूँ, जिनकी कृपा से मनुष्य देवता बन जाता है ।

बसंत पंचमी का भारतीय संस्कृति में अत्यधिक महत्व है। यह अवसर मां शारदे के प्राकट्य दिवस के रूप में विशेष महत्व रखता है। मां सरस्वती की आराधना उत्पादकता, सृजनात्मकता, कलात्मकता व बुद्धिमत्ता को प्रदान करने वाली होती है। समस्त प्रकार की विद्याएं व कलाएं मां के आशीर्वाद से ही प्राप्त होती हैं। कलाओं को ललित कला तथा उपयोगी कला में विभाजित किया गया है। संगीत, नृत्य, काव्य, चित्र, वास्तुकला आदि ललित कला के अन्तर्गत आते हैं जबकि कृषि, लुहार, सुनार, पाक-कला आदि उपयोगी कलाओं के रूप में जाने जाते हैं। प्राचीन भारत में इन कलाओं का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता था। हमारे ग्रंथों में चौंसठ सृजनात्मक कलाओं का उल्लेख है।

वर्तमान में भौतिकतावादी दृष्टिकोण के चलते कम उम्र से ही बच्चे एक अनावश्यक प्रतियोगिता का हिस्सा बना दिए जाते हैं। ऐसे में उनमें सृजनात्मक कलाओं के विकास की संभावनाएं बहुत कम हो जाती हैं। किसी भी विद्या या कला को पाने का आज का मुख्य उद्देश्य अधिकांशतः प्रसिद्धि अथवा धन की प्राप्ति ही होता है। यही कारण है कि न तो विद्या व न ही कला में व्यक्ति उत्कृष्टता को प्राप्त कर पाता है। इस संदर्भ में सहजयोग प्रणेता परम पूज्य श्री माताजी हमें दिग्दर्शित करती हैं कि, यह सृजनशक्ति सरस्वती का आशीर्वाद है जिसके द्वारा अनेक कलाएं अत्पन्न हुई कला की और दृष्टि बढ़ाने से एक तो जीवन में सौन्दर्य आ जाता है और जीवन का रहन-सहन सुन्दर हो जाता है हमारे ऊबड़ खाबड़ जीवन में यदि थोड़ी सी कला की झलक आ जाए तो बड़ा सुख और आनंद मिलता है। परंतु अगर आप कला को बगैर आत्मसाक्षात्कार के ही अपनाना चाहें तो वह कला अधूरी रह जाती है अगर आत्मसाक्षात्कारी मनुष्य कोई कलात्मक चीज़ बनाता है तो उसमें से भी चैतन्य आने लग जाता है। सुन्दर होने के साथ साथ ऐसी कृति में एक तरह की अनन्त शक्ति होती है क्योंकि उसने जो कुछ भी बनाया है आत्मा की अनुभूति से बनाया है। हाथ से बनी हुई चीज़ों में चैतन्य बहता है। हाथ से बनी चीज़ों के द्वारा अपने हृदय का आनंद हम दूसरों को समर्पित करते हैं। कलात्मक चीज़ हठात् आपको निर्विचारिता में उतारेगी क्योंकि सौन्दर्य देखने से ही चैतन्य एक दम बहने लगता है।

कला का जो भी कार्य हम करते हैं वह परमात्मा को समर्पित होना चाहिए। इस भाव से की गई सभी रचनाएं शाश्वत होंगी। परमात्मा को समर्पित सभी कविताएं, संगीत और कलाकृतियां आज भी जीवित हैं। कला परमात्मा की ज्योति है इनमें चैतन्य लहरियां हैं।

इस बसंत पंचमी श्री माताजी के दिव्य आशीर्वाद की छत्रछाया को प्राप्त करने हेतु सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है।

टैक्स संधियों पर संदेह भारत की ग्रोथ स्टोरी को कमजोर कर सकता है

भारत-मॉरीशस कर संधि को लेकर हालिया घटनाक्रम ने एक बार फिर सीमा पार कराधान के बुनियादी सिद्धांतों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। हाल ही के एक निर्णय में यह जोर दिया गया है कि कर प्राधिकरण संधि लाभों को अस्वीकार करने के लिए कर-निवास प्रमाणपत्र (टीआरसी) से आगे भी देख सकते हैं, जिससे वैश्विक निवेशकों में नई चिंता पैदा हुई है। गहरी समस्या भारत के पूंजी कराधान पर बदलते रुख और कानून के शासन को बनाए रखने में निहित है। इस घटना की गंभीरता को समझने के लिए हमें रोजाना की खबरों से परे बुनियादी बातों पर ध्यान देना होगा यानी इस पर कि कर नीति कैसे आर्थिक वृद्धि को आकार देती है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में हमने मूल्यवर्धित कर (वैट) के माध्यम से बौद्धिक स्पष्टता हासिल की है। वैट गंतव्य सिद्धांत पर काम करता है। निर्यात शून्य-कर वाले होते हैं, जिससे भारतीय इस्पात हमारी सीमाओं से घरेलू करों से मुक्त होकर, केवल बाजार मूल्य के साथ और सभी अप्रत्यक्ष करों से रहित होकर बाहर जाता है। आयात पर घरेलू वस्तुओं के समान दर से कर लगाया जाता है। यह तटस्थता सुनिश्चित करता है। यह कर प्रणाली भारतीय उत्पाद और विदेशी उत्पाद के बीच चयन को प्रभावित नहीं करती।

इसी तरह का दर्शन कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) में देखा जाता है। प्रत्येक देश अपनी कार्बन कर दर चुनता है, लेकिन इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार विकृत नहीं होता। ऐसी तटस्थता वैश्वीकरण का लाभ उठाने के लिए आवश्यक है। जब इस तर्क को वित्त पर लागू किया जाता है, तो ऐसी तटस्थता के लिए निवास आधारित कराधान आवश्यक होता है। पूंजी से होने वाली आय पर कर प्राप्तकर्ता पर, उसके निवास देश में लगाया जाता है, न कि उस स्रोत पर जहां निवेश किया गया है। यदि अमेरिका का कोई पें?शन फंड भारत में निवेश करता है, तो उसके रिटर्न पर कर अमेरिका में लगाया जाना चाहिए, भारत में नहीं।

यह केवल एक सैद्धांतिक प्राथमिकता नहीं है। यह पूंजी की कमी वाली अर्थव्यवस्था के लिए एक रणनीतिक आवश्यकता है। भारत को आर्थिक विकास को वित्तपोषित करने के लिए भारी पूंजी की आवश्यकता है, जिसके लिए विदेशी पूंजी जरूरी है। वैश्विक पूंजी सबसे अधिक कर-पश्चात जोखिम-समायोजित रिटर्न चाहती है। यदि भारत स्रोत-आधारित कराधान लागू करता है। यानी विदेशी निवेशकों पर हमारी सीमाओं पर कर लगाता है तो हम उनके कर-पश्चात रिटर्न को कम कर देते हैं। इस कर लागत की भरपाई के लिए, वैश्विक निवेशक भारतीय परिसंपत्तियों से अधिक कर-पूर्व रिटर्न की मांग करते हैं।

इस तरह, निवेश परियोजनाएं जो 10 फीसदी पूंजी लागत पर व्यवहार्य होतीं, वे 14 फीसदी पर भी अव्यवहार्य हो जाती हैं। स्रोत-आधारित कराधान पूंजी पर एक शुल्क की तरह कार्य करता है, जो सीमा पर ही अवरोध पैदा करता है, निवेश को धीमा करता है, भारतीय कंपनियों के लिए लागत बढ़ाता है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को धीमा करता है। आदर्श रूप से, भारत को घरेलू स्तर पर पूंजी पर कम या शून्य कर दर रखनी चाहिए ताकि पूंजी आवक में गहराई आए। लेकिन इसके बिना भी, विदेशी निवेशकों के लिए निवास-आधारित कराधान का पालन करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। कई वर्षों तक हमने इस परिणाम को एक बेहतरीन संस्थागत व्यवस्था के माध्यम से हासिल किया। हमने कर संधियों का उपयोग करके वास्तविक रूप से निवास-आधारित कराधान प्राप्त किया।

सार्वजनिक मामलों में पाखंड की एक स्वस्थ भूमिका होती है। चुनावी लोकतंत्रों में लोकलुभावन बयानबाजी अक्सर यह मांग करती है कि राज्य 'अमीरों पर कर लगाए' या 'विदेशियों पर कर लगाए।' हालांकि समझदार लोग यह जानते हैं कि हमें आर्थिक दक्षता के लिए परिस्थितियां निर्मित करनी होती हैं। यही वजह है कि वैश्विक पूंजीवाद की इमारत अक्सर कर निरपेक्ष माध्यमों के जरिए प्राप्त कुशल कराधान पर आधारित होती है।

सफल देशों ने आम तौर पर एक अच्छी चालाकी अपनाई है, जिसमें वे सार्वजनिक तौर पर लोकप्रिय बातें कहते हैं, जबकि यह भी पक्का करते हैं कि ऐसे तरीकों से दुनिया की अर्थव्यवस्था ठीक से व्यवस्थित हो। इसी तरह से देखें तो, मॉरीशस मार्ग ने भारत को निवास-आधारित कराधान अपनाने की अनुमति दी, जिससे घरेलू कर नीति की अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में पूंजी की लागत कम बनी रही।

इस संतुलन के लिए कानूनी निश्चितता आवश्यक थी। इस निश्चितता की नींव आजादी बचाओ आंदोलन मामले में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय और न्यायमूर्ति बीएन श्रीकृष्ण द्वारा व्यक्त सिद्धांत थे। मानक एकदम स्पष्ट था। मॉरीशस सरकार द्वारा जारी एक वैध टीआरसी अपने आप में संपूर्ण था। भारतीय कर अधिकारी इस दस्तावेज से आगे जाकर निवेशक की स्थिति पर प्रश्न नहीं उठा सकते थे। लेकिन यह ढांचा 2016 में टूटने लगा। कर संधि में लिमिटेशन ऑफ बेनिफिट्स (एलओबी) प्रावधान शामिल करने के लिए संशोधन किया गया। वैसे तो इसका घोषित उद्देश्य दुरुपयोग को रोकना था, लेकिन इस संशोधन ने काम करने के नियमों को पूरी तरह से बदल दिया। इसने टीआरसी के वस्तुनिष्ठ मानक की जगह संस्था के वाणिज्यिक सार से संबंधित व्यक्तिपरक परीक्षणों को रख दिया।

इस बदलाव ने कर विभाग को निवास प्रमाणपत्र देखने की शक्ति प्रदान की। हालिया निर्णय इसी बदलाव का परिणाम है, जहां टीआरसी अब कर अधिकारियों की जांच शक्तियों के विरुद्ध ढाल नहीं रहा। वर्ष2016 की गलतियां 2026 में हमें फिर से परेशान कर रही हैं। 2016 के बदलाव के साथ ही निजी निवेश में व्यापक कठिनाइयां भी आई हैं। सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों में विदेशी स्वामित्व की संरचना का आंकड़ा उल्लेखनीय है।

विदेशी स्वामित्व 2000-01 के 8.38 फीसदी से बढ़कर 2015-16 में 19.19 फीसदी के शिखर तक पहुंचा। लेकिन तबसे यह आंकड़ा ठहर गया और उलट गया। 2024-25 तक विदेशी स्वामित्व घटकर 16.04 फीसदी रह गया। एक सफल उभरते बाजार में हम उम्मीद करते हैं कि समय के साथ घरेलू आग्रह कम होगा। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था परिपक्व होती है और दुनिया से जुड़ती है, इक्विटी परिसंपत्तियों में विदेशी स्वामित्व का हिस्सा लगातार बढ़ना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

न्यायपालिका को कार्यपालिका के अतिक्रमण पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। जब अदालतें पहले से तय प्रश्नों को दोबारा उठाती हैं या नए मानकों के पुरानी तारीख से लागू करने की अनुमति देती हैं, तो वे भारत में निवेश के पूर्व जोखिम को बढ़ा देती हैं। आज एक विदेशी निवेशक को केवल व्यापारिक जोखिम ही नहीं बल्कि इस जोखिम को भी ध्यान में रखना पड़ता है कि आज हस्ताक्षरित कर संधि की कल दोबारा व्याख्या की जा सकती है। हम अब ऐसे कर अधिकारियों की व्यवस्था में हैं जिनका आर्थिक वृद्धि का ज्ञान कमजोर है, और एक न्यायिक प्रणाली की भी, जो अनुबंधों की पवित्रता और टीआरसी की प्रधानता को बनाए रखने में विफल रही है। कोई देश अपने विचारकों से बेहतर नहीं हो सकता।

भारतीय आर्थिक विकास की परवाह करने वाले लोगों के एजेंडा में चार नीति परियोजनाएं शीर्ष पर होनी चाहिए। वे हैंः सीमा शुल्क हटाना, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में इनपुट क्रेडिट की रुकावटें हटाना, कार्बन कर लागू करना, और निवास-आधारित कराधान अपनाना। यह समझ अफसरशाही, राजस्व विभाग और न्यायपालिका तक फैलनी चाहिए।

-धनंजय राजौरा

राम भक्तों ने मनाई आराध्य के आगमन की द्वितीय वर्षगांठ

नगर में शोभायात्रा व आतिशबाजी कर मनाई राम दीपावली

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अयोध्या में प्रभु श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्ष गांठ गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी उत्साह व उल्लास से मनाई गई। इसके लिए नगर को भगवा ध्वजों से सजाया गया। वहीं दिनभर नगर में भक्तिमय आयोजनों का क्रम जारी रहा। कहीं आतिशबाजी की गई तो कहीं सुंदरकांड का आयोजन किया गया।

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में प्रभु श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव नगर में भी मनाया गया था। इसके बाद से हर वर्ष 22 जनवरी को नगरवासी राम दीवाली मनाई जाने लगी। गुरूवार को भी नगर में उत्सवी माहोल में राम दीवाली मनाई गई। इस दिन राम भक्तों द्वारा शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों लोगों ने शामिल होकर प्रभु श्री राम के जयकारे लगाए। इसके अलावा डीजे पर बज रही रामभक्ति की धुन ने भी पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शाम करीब 7.30 बजे शुरू हुई शोभायात्रा रात 10 बजे तक नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी।

कई जगह हुई आतिशबाजी, मनाई दीपावली- गुरूवार को लोगों ने अपने दिन की शुरूआत मंदिर में भगवान के दर्शन व पूजन कर की। इसके बाद पूरे दिन धार्मिक आयोजनों का क्रम जारी रहा। वही कई स्थानों पर लोगों ने आतिशबाजी कर प्रभु श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। वहीं कई जगह पर प्रसादी का वितरण भी किया गया। इसके अलावा नगर के हनुमान व राम मंदिरों को भी आकर्षक रूप से सजाया गया था।

नगर में गूंजी सुंदरकांड की चौपाईयां, देर रात तक जारी रहे आयोजन- इस दिन नगर में कई जगह सुंदरकांड के पाठ का आयोजन कर नगरवासियों ने प्रभु श्री राम का आर्शीवाद लिया। नगर की खेड़ापति सुंदरकांड के भजन गायक प्रकाश सूर्यवंशी व उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत भक्तिमय भजनों ने देर रात तक नगर को राम मय बनाए रखा।

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के कार्यों की आयुक्त ने की समीक्षा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के अन्तर्गत निकाय स्तर पर तैयार किये गये एक्शन प्लान 2024–25 के बिन्दुओं पर चर्चा करते हुये आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा निगम बैठक हाल मे बैठक आहूत की गई। आयुक्त ने इस प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रतिदिन मशीनों के माध्यम से सफाई करवाई जाने, लंबित सडक निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ करने, औद्योगिक संचालकों को क्लीन फ्यूल मे परिवर्तन करने हेतु निर्देश दिये गये। आयुक्त ने कचरे के संग्रहण के साथ साथ उसका प्रबंधन हो, रोड डिवाईडर मे लगाये गये पौधों को सुरक्षित रखने हेतु उनके आसपास जालियां लगाई जाने के भी निर्देश दिये।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की लगातार कार्यवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है जिसमें दिनांक 21.01.2026 को सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनासे के नेतृत्व में आबकारी टीम देवास द्वारा शहर गस्त की गई तथा ग्राम खटांबा में एक ढाबे से 04 पेटी देशी मदिरा प्लेन बरामद की गई ढाबा संचालक के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा (34)के तहत प्रकरण पंजीबद्ध विवेचना में लिए गए। जप्त शुदा मदिरा का बाजार मूल्य लगभग 15000 रुपए है। आज की कार्यवाही मेंआबकारी उप निरीक्षक प्रेम यादव आबकारी आरक्षक,बालकृष्ण जायसवाल,दीपक,निहाल आशीष गुप्ता सैनिक किशोर सिसोदिया एवं अनिल अकोडिया सम्मिलित रहे, उप निरीक्षक प्रेम यादव ने बताया कि इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

स्पीड ब्रेकर पर असंतुलित होकर बाइक गिरी बाइक, दो घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक बाइक स्पीड ब्रेकर पर असंतुलित होकर गिर गई। इस हादसे में बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। इनमें से एक को गंभीर चोटें आई हैं। यह घटना गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे हुई। जानकारी के अनुसार शुजालपुर से शाजापुर आरटीओ कार्यालय की ओर काम से आ रहे संतोष शर्मा अपनी बाइक चला रहे थे, जबकि उनके साथ सचिन धनकर बैठे थे। स्पीड ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों गिर पड़े।

हादसे में संतोष शर्मा के सिर में गंभीर चोटें आईं, जबकि सचिन धनकर को मामूली चोटें लगीं। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान इंदौर से मकड़ोन जा रहे लाल सिंह अपने परिवार के साथ वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने घायलों की मदद की और अपनी चार पहिया वाहन से दोनों को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में संतोष शर्मा का उपचार जारी है।

देवास जिले में पहली बार हुई पित्त कैंसर की जटिल 'PTBD' प्रक्रिया

देवास में परक्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक बिलियरी ड्रेनेज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहे देवास जिले के अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के कैंसर रोग विभाग ने जिले में पहली बार पित्त की नली के अवरोध को दूर करने वाली आधुनिक विधि परक्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक बिलियरी ड्रेनेज को सफलतापूर्वक शुरू किया है।

यह एक उन्नत चिकित्सा पद्धति है जिसमें पित्त नलिका में आए अवरोधों (Blockage) को दूर किया जाता है। इसमें त्वचा के माध्यम से यकृत (Liver) में एक पतली ट्यूब (कैथेटर) डाली जाती है, जिससे पित्त का निकास सुचारू रूप से हो सके। यह प्रक्रिया पित्त के कैंसर से जूझ रहे मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होती है।

हाल ही में मरीज सुगन बाई पित्त के कैंसर की आशंका और अत्यधिक बढ़े हुए बिलुरुबिन स्तर के साथ कई अस्पतालों में भटकने के बाद अमलतास पहुँची थीं। निजी अस्पतालों में इस जटिल प्रोसीजर का खर्च लगभग 60 से 70 हजार रुपये आता है, लेकिन अमलतास अस्पताल में आयुष्मान योजना के अंतर्गत इस प्रक्रिया को पूर्णतः निःशुल्क संपन्न किया गया।

इस सफल प्रोसीजर को अमलतास के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अंजाम दिया, जिनमें मुख्य रूप से डॉ. डॉ अमेय नारखेडे, डॉ. अकबर अली साबिर, डॉ. विजय बेरागी शामिल थे- इन चिकित्सकों के साझा प्रयासों से मरीज को अब बीमारी से राहत मिली अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन द्वारा बताया गया कि भविष्य में भी आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए यह आधुनिक जाँच और उपचार सुविधा निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। अमलतास कैंसर विभाग का लक्ष्य कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लोगों को निजात दिलाना है। PTBD सुविधा शुरू होने से अब जिले के मरीजों को बड़े शहरों या महंगे निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

मुख्य सचिव ने कलेक्टर व एसपी को वीसी में दिए निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने गुरूवार को वीसी के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टर्स, कमिश्नर, पुलिस अधीक्षक, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून एवं व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं पोषण, कृषि, राजस्व, नगरीय विकास, सुशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य विषयों पर विस्तृत समीक्षा की।

इस अवसर पर एनआईसी कक्ष शाजापुर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत, अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, डिप्टी कलेक्टर नेहा गंगारे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के कार्यों की आयुक्त ने की समीक्षा

देवास। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के अन्तर्गत निकाय स्तर पर तैयार किये गये एक्शन प्लान 2024-25 के बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा निगम बैठक हाल मे बैठक आहूत की गई। आयुक्त ने इस प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रतिदिन मशीनों के माध्यम से सफाई करवाई जाने, लंबित सडक निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ करने, औद्योगिक संचालकों को क्लीन फ्यूल में परिवर्तन करने हेतु निर्देश दिये गये।

प्रतिभाओं को निखारने और पहचानने का माध्यम है वार्षिकोत्सवः विधायक भीमावद

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में दिनांक 22 जनवरी 2026 को विद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शाजापुर श्री अरुण भीमावद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक अरूण भीमावद ने कहा कि वार्षिकोत्सव के आयोजन वर्ष में एक बार जरूर होना चाहिए। क्योंकि इससे बच्चों को मंच मिलता है जहां वे अपने अंदर की प्रतिभा को बाहर लाकर दुनिया को उससे अवगत कराते हैं। उन्होंने विद्यालय परिवार को ऐसे आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को विशेष अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार, नगर अध्यक्ष आशीष नगर, जिला कोषाध्यक्ष किरण ठाकुर, पूर्व नपा उपाध्यक्ष मनोहर विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर संजय शिवहरे, महेश भावसार, बालकृष्ण यादव आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी शाजापुर राजेन्द्रसिंह शिप्रे ने की। विद्यालय के प्राचार्य हेमेंद्र यादव ने वर्ष भर की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया। संचालन संतोष मालवीय एवं कक्षा 12वीं के विद्यार्थी देवेंद्र गुर्जर, लक्ष्मी मालवीय, हेमलता ने किया। इस अवसर पर बच्चों ने एक से बढकर एक प्रस्तुति देकर सभी को अपनी कला का कायल बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का सहभोज का भी आयोजन किया गया।

मच्छर जनित बीमारियों में मलेरिया सबसे प्रचलित बीमारी, बचाव हेतु जन-जागरूकता

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए जिले में निरंतर जन-जागरूकता कार्य किया जा रहा है। मच्छर जनित बीमारियों में मलेरिया सबसे प्रचलित बीमारी है।

यह बीमारी मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होती है। ठंड लगकर बुखार आना मलेरिया का प्रमुख लक्षण हैं। मलेरिया की जांच एवं दवाइयां सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निशुल्क प्रदान की जाती है। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं से संपर्क कर भी जांच करवाई जा सकती है। मलेरिया के इलाज के लिए प्रमाणित एवं सुरक्षित दवाएं उपलब्ध हैं।

मच्छरों से होने वाली बीमारी डेंगू की पहचान सही समय पर न किये जाने पर घातक रूप ले सकती है। यह बीमारी एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। जब कोई एडीज मच्छर डेंगू के किसी रोगी को काटता है तो वह उस रोगी का खून चूसता है। खून के साथ डेंगू वायरस भी मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाता है। मच्छर के शरीर में डेंगू वायरस का कुछ और दिनों तक विकास होता है। जब डेंगू वायरस युक्त मच्छर किसी अन्य स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह डेंगू वायरस को उस व्यक्ति के शरीर में पहुंच देता है। इस प्रकार वह व्यक्ति डेंगू वायरस से संक्रमित हो जाता है तथा कुछ दिनों के बाद उसमें डेंगू बुखार रोग के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। जिस दिन डेंगू वायरस से संक्रमित कोई मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो उसके लगभग 3-5 दिनों बाद ऐसे व्यक्ति में डेंगू बुखार के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। यह संक्रामक काल 3-10 दिनों तक भी हो सकता है।

बारिश का मौसम कई बीमारियों के लिए खतरा बनता है, जिनमें मच्छरों से होने वाली बीमारियां प्रमुख हैं। बारिश के मौसम में पानी के जमा होने एवं गंदगी होने के कारण मच्छरों का पनपना आसान होता है। मच्छरों के काटने से डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियां होती हैं जो कि कई बार गंभीर भी हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने इस बात का पता लगाया गया था कि मलेरिया रोग मच्छर के काटने से होता है। आमजन डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया जैसी संक्रमण बीमारियों से बचाव के उपाय निरंतर किये जाने चाहिए।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले में लगाए जा रहे हैं शिविर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव के निर्देशानुसार संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत नागरिकों की सुविधा के लिए जिले के सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में समग्र e-KYC, आयुष्मान कार्ड एवं संबल कार्ड से संबंधित कार्यों हेतु विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।

जिले में शिविरों के लिए जारी योजना अनुसार प्रति 10 पंचायत एवं चयनित वार्ड में प्रति दिवस शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया जा सके। शिविरों के लिए एडीईओ, पीसीओ, उप अभियंताओं को कैंप प्रभारी और सचिव, जीआरएस एवं वार्ड प्रभारियों को सहायक प्रभारी बनाया गया है।

शिविरों के लिए जारी कार्ययोजना अनुसार 23 जनवरी को आष्टा जनपद के ग्राम कातला, कानराखेड़ी, किलेरमा, किल्लोद, कुण्डियानाधू, कुमडावदा, कुरली कला, कुरावर, कोटियानाला, खजूरिया कासम में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार इछावर जनपद के ग्राम गुराडी, गोलूखेडी, चैनपुरा, छापरीताल्लुक, जमोनियहटेसिहं, जमोनियाफतेहपुर, जामली, झालकी, ढाबलामाता, ढाबलाराय में शिविर आयोजित होगा। इसी प्रकार भैरूंदा जनपद के ग्राम गोपालपुर, गोरखपुर, घुटवानी, चंदपुरा, चकल्दी, चांदाग्रहण, चिचलाहकला, चौच, चौरसाखेडी, छापरी में शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार बुधनी जनपद के ग्राम जेत, जोनतला, जोशीपुर आदी।

पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ जिला पदाधिकारी की बैठक मल्हारी स्मृति मंदिर परिसर में संपन्न

बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि प्रदेश स्तरीय कार्य समिति की बैठक देवास में आयोजित की जाए

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ जिला देवास पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों की अति आवश्यक बैठक आज दिनांक 22 जनवरी को मल्हार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित की गई संघ के संस्थापक संरक्षक एम एल मालवीय देवड़ा के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष देवी शंकर तिवारी कि अध्यक्षता में बैठक के कार्यकारी अध्यक्ष बी के मोदी की अध्यक्षता में बैठक प्रारंभ की गई।

बैठक का संचालन जिला सचिव अरविंद शर्मा ने किया एवं आभार प्रदर्शन सोनकच्छ तहसील अध्यक्ष प्रमोद भावसार द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक में सर्वप्रथम सभी को मकर संक्रांति की शुभकामना प्रदान की गई एवं गुड़ तिल का प्रसाद वितरण किया गया। पश्चात सर्व समिति से तय किया गया कि प्रदेश स्तरीय कार्य समिति की बैठक देवास में आयोजित की जाए इसके लिए 1 या 8 मार्च में संभावित तिथि प्रस्तावित की गई साथ ही यह भी तय किया गया कि प्रदेश स्तरीय बैठक में प्रदेश अध्यक्ष हेतु देवी शंकर तिवारी का नाम प्रस्तावित किया जाए इस पर सभी उपस्थित सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की। बैठक में संपूर्ण व्यवस्था किया जाना तय हुआ साथ ही वर्ष 2026 के सदस्यता अभियान पर चर्चा की गई। वार्षिक सम्मेलन यथा समय सभी तहसील समय पर आयोजित करें पेंशनर सदस्यों के प्रकरणों को निराकरण करने हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करें संबंधित विभाग में जाकर निराकरण करायें जिला स्तरीय प्रकरण हो तो जिला अध्यक्ष को अवगत करावें जो की जिला स्तरीय पेंशन फोरम की बैठक में कलेक्टर महोदय के समक्ष रखे जा सके। आज की बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मोहरी, देवास तहसील अध्यक्ष अनिल नागर, पूर्व तहसील अध्यक्ष छोटेलाल माली, हाटपिपल्या तहसील अध्यक्ष राधेश्याम सोलंकी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओ पी सोलंकी, उपाध्यक्ष अरुण कुमार शैव्य, शंकरलाल शर्मा, हेमलता परिहार, प्रकाश चौधरी, बाबूलाल मालवीय, रतनलाल सोनी, कालूराम नवगोत्री, रामलाल लुआनिया, गोवर्धन सिंह जलखेड़िया, मांगीलाल सोलंकी, रतनलाल सोनी, नाथूलाल राठोर, अमोलक चन्द गोलेछा, शंकरलाल सुमन आदि सदस्य उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की कृषि, सहकारिता, उद्यानिकी, मत्स्य एवं पशुपालन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक न रहे सीमित – कलेक्टर

सीहोर /दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर कृषि, सहकारिता, उद्यानिकी, मत्स्य, मार्कफेड एवं पशुपालन की गतिविधियों एवं कार्यप्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय-सीमा में पहुँचना चाहिए और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फील्ड स्तर पर निगरानी मजबूत की जाए और योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव सीधे किसानों और आमजन के जीवन में दिखाई दे।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान रबी वर्ष 2025-26 की फसल स्थिति, बीज एवं उर्वरक व्यवस्था, गुणवत्ता नियंत्रण तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति प्रस्तुत की गई। जिले में रबी फसलों का कुल क्षेत्रफल लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत पूर्ति के साथ 395.20 हजार हेक्टेयर दर्ज किया गया, जिसमें गेहूं का क्षेत्रफल 101 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रमुख रहा। बीज वितरण की स्थिति में निजी एवं सहकारी माध्यमों से गेहूं, चना, मसूर, सरसों सहित प्रमुख फसलों के लिए 1.09 लाख क्विंटल से अधिक बीज का वितरण किया गया। उर्वरक व्यवस्था के अंतर्गत यूरिया, डीएपी, एसएसपी एवं अन्य उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करते हुए 1.73 लाख मैट्रिक टन से अधिक का वितरण किया गया। ई-विकास योजना के अंतर्गत जिले के सभी 313 सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं का ऑनबोर्ड होना जिले की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

स्वच्छ सड़कों की दिशा में बड़ा कदम, सीहोर जिले में जटायु मशीन संचालन के लिये हुआ ऐतिहासिक एमओयू

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), मध्यप्रदेश, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन की पहल पर 22 जनवरी गुरूवार को एक महत्वपूर्ण Memorandum of Understanding (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर सड़कें उपलब्ध कराने की दिशा में नया अध्याय जुड़ गया है। यह स्श्र जिला पंचायत, सीहोर और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के मध्य Fully Mechanized Vehicle Mounted Road Vacuum Litter Collection Machine (जटायु मशीन) के संचालन के लिये किया गया। समझौते पर प्रबंध निदेशक, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम श्री भरत यादव एवं संचालक सह आयुक्त पंचायत राज संचालनालय श्री छोटे सिंह के मध्य हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, मिशन संचालक, स्वच्छ भारत मिशन श्री दिनेश जैन, संयुक्त आयुक्त, राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) श्रीमती शिवानी वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जटायु मशीन एक आधुनिक एवं पूर्णतः यंत्रीकृत स्वच्छता समाधान है, जो सड़क एवं हाईवे की प्रभावी सफाई सुनिश्चित करते हुए मैनुअल श्रम पर निर्भरता को कम करती है और पर्यावरणीय स्वच्छता के साथ क्षेत्र की सुंदरता में भी उल्लेखनीय सुधार लाती है। जटायु मशीन के माध्यम से सड़क किनारे फैले कचरे, प्लास्टिक एवं धूल का आधुनिक तरीके से संग्रह और निपटान किया जाएगा, जिससे नागरिकों को स्वच्छ वातावरण, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित आवागमन का लाभ मिलेगा। यह मशीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुरूप कार्य करते हुए प्लास्टिक कचरे को रीसाइक्लिंग, जैविक कचरे को कम्पोस्टिंग तथा शेष कचरे को सुरक्षित लैंडफिल तक पहुंचाएगी।

वीर प्रभु का नाम जपने से मोक्ष के द्वार खुलते है

साध्वीश्री मधुबालाजी ने श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ में धर्मसभा में कहा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर प्रभु का नाम जपने से मोक्ष के द्वार खुलते है। वहीं भक्ति में डूब जाने से भक्त भगवान बन सकते है। पाप कर्म का उपार्जन करने पर जीव नरक गति में जाता है। आत्मा ही कर्मों का कर्ता एवं भोगता है। ये प्रेरणादायी विचार जिनशासन गौरव आचार्यश्री उमेशमुनिजी के सुशिष्य धर्मदास गणनायक प्रवर्तकश्री जिनेंद्रमुनिजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री मधुबालाजी ने श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ में धर्मसभा में व्यक्त किए।

जिसमें सरलता व विनम्रता है वही नमन करता है- साध्वीजी ने आगे कहा कि काल चक्र को कोई भी रोक नहीं सकता। यह अनादि कॉल से चला आ रहा है और अनादि काल तक चलता रहेगा है। साधना में पुरुषार्थ करने की जरूरत है। धर्म के प्रति श्रद्धा होगी तभी जीवन में परिवर्तन आएगा। जिसमें सरलता, विनम्रता है वहीं नमस्कार, नमन करता है।

आठों कर्म क्षय होने पर ही मोक्ष मिलेगा- साध्वीश्री सुनीताजी ने कहा कि संसार की असारता समझ में आने के बाद ही जीव मनुष्य भव को सार्थक कर सकता है। पुण्य के बेलेंस को घटाना बढ़ाना व्यक्ति के स्वयं के हाथों में होता है।अच्छे कार्य की अनुमोदना और त्यागी के प्रति अहोभाव रखकर मनुष्य पुण्य अर्जन कर सकता है। पाप कार्य को छोड़कर पुण्य कार्य को बढ़ाने पर मोक्ष मार्ग पर बढ़ सकते है। पाप कर्म केवल दुर्गति में ले जाने वाला होता है। आठों कर्मों को क्षय करने पर ही जीव को मोक्ष मिलने वाला है।

साध्वी वृंद के सानिध्य का अच्छा लाभ मिल रहा है- सौम्यमूर्ति साध्वीश्री मधुबालाजी, श्री सुनीताजी, श्री मलयाजी, श्री कला श्रीजी, श्री श्रद्धाजी एवं श्री समताजी ठाणा 6 के सानिध्य का बखतगढ़ श्रीसंघ को अच्छा लाभ मिल रहा है। गौरतलब है कि साध्वीश्री मधुबालाजी ठाणा 3 का मंगलवार को एवं साध्वीश्री मलयाजी ठाणा 3 का गुरुवार को बखतगढ़ में मंगल पदार्पण हुआ।

दादावाड़ी से कलश चोरी, समाजजन ने दिया थाने पर आवेदन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के जैन समाज के दादावाड़ी श्वेतांबर तीर्थ से 22 जनवरी की मध्य रात्रि को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा मंदिर के पवित्र कलश की चोरी कर ली गई है। यह घटना अत्यंत दुखद, निंदनीय एवं धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। उक्त मंदिर एक प्राचीन एवं आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं।

इस प्रकार की घटना से न केवल क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति की आशंका भी बनी रहती है।

उक्त घटना से जैन समाज में आक्रोश उत्पन्न है। समाजजन ने घटना को लेकर पुलिस थाने पर आवेदन दिया। मामले में शीघ्रातिशीघ्र अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध उचित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आवश्यक जांच व कानूनी कार्यवाही की जाए तथा मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए, जैसे–नियमित पुलिस गश्त, रात्रि निगरानी एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय का उल्लेख किया।

बदनावर में निःशुल्क मेघा स्वास्थ्य शिविर 25 जनवरी को

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय पत्रकार संघ एवं स्वतंत्र प्रेस क्लब के सहयोग से शंकुस मल्टी स्पेशियलिटी एवं कैंसर हॉस्पिटल, रतलाम के सौजन्य से रविवार 25 जनवरी को बदनावर में निःशुल्क मेघा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक स्थानीय सहयोग हॉस्पिटल, माथुर कॉलोनी में आयोजित होगा।

शिविर में कैंसर रोग, स्त्री रोग, जनरल सर्जरी, यूरोलॉजी, हड्डी रोग सहित विभिन्न रोगों की जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श के साथ आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविर में डॉ. नयन गुप्ता, डॉ. विपुल गुप्ता, डॉ. विपिन कुमार दुबे (कैंसर रोग विशेषज्ञ), डॉ. राज दुलानी (जनरल एवं एल.एल.टी. सर्जन), डॉ. आकाश मीणा व डॉ. भूपेंद्र कुशवाहा (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ. उत्सव शर्मा (गहन रोग फिजिशियन), डॉ. आरती शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. गौरव नाहर (यूरोलॉजिस्ट), डॉ. अंकित चोयल (यूरोलॉजिस्ट, एंड्रोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन), डॉ. बिकास (बाल, मुख व गला कैंसर विशेषज्ञ) एवं डॉ. अरविंद पवार (जनरल फिजिशियन) अपनी सेवाएं देंगे।

आयोजकों ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं।

प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश ने किया उप जेल बदनावर का निरीक्षण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (धार) श्रीमान संजीव कुमार अग्रवाल के द्वारा शनिवार को उप जेल बदनावर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण में प्रमुख रूप से जिला न्यायाधीश जी. सी. मिश्रा ,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धार सचिव/न्यायाधीश प्रदीप कुमार सोनी , एवं उप जेल अधीक्षक मनोज कुमार मिश्रा उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान जेल में निरुद्ध बंदियों के लिए विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया, जिसमें बंदियों को उनके विधिक अधिकारों, न्यायिक प्रक्रियाओं तथा उपलब्ध कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। न्यायिक अधिकारियों ने दंडित बंदियों से प्रत्यक्ष संवाद करते हुए उनकी सजा अवधि, अपील की वर्तमान स्थिति एवं लगाए गए जुर्माने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। विचाराधीन बंदियों से भी व्यक्तिगत चर्चा कर उनके प्रकरणों की स्थिति जानी गई और शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक विधिक प्रक्रिया अपनाने का आश्वासन दिया गया

शिविर के दौरान बंदियों ने अपने-अपने प्रकरणों से जुड़ी समस्याएं रखीं, जिन्हें सुनकर न्यायिक अधिकारियों ने मौके पर ही उचित मार्गदर्शन एवं समाधान के सुझाव दिए। जेल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में ,खाद्य सामग्री की गुणवत्ता , साथ ही पेशी ,मुलाकात आदि के बारे में जानकारी ली गई। जेल में प्राप्त स्वास्थ्य सुविधाओं व किसी बंदी को इलाज के लिए बाहर भेजने के सम्बंध में भी जानकारी ली गई न्यायाधीश प्रदीप जी सोनी ने जेल में निरुद्ध बंदियों को निशुल्क विधिक सहायता योजना आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं उनके प्रकरण के संबंध में विधिक प्रावधानों व आगामी न्यायालय प्रक्रिया से अवगत करवाया गया इस दौरान सभी 70 बंदी व जेल स्टाफ उपस्थित थे।

सूरज धाकड़ अखिल भारतीय श्री धाकड़ महासभा के जिला मंत्री नियुक्त हुए

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय श्री धाकड़ महासभा युवा संघ के इंदौर जिला अध्यक्ष प्रकाश रावलिया द्वारा सूरज भूरालाल धाकड़ को अखिल भारतीय श्री धाकड़ महासभा युवा संघ के जिला मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति अखिल भारतीय श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसीराम नागर, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री समंदर पटेल एवं अखिल भारतीय श्री धाकड़ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिनेश मल्हार व शीर्ष नेतृत्व की सहमति से दी गई है। इनकी इस नियुक्ति पर धाकड़ समाज में हर्ष व्याप्त है। धाकड़ की नियुक्ति पर पूर्व विधायक विशाल पटेल,अरुण पटेल,रजत पटेल, संजय नागर, जितेंद्र नगर आदि ने बधाई दी।

24 जनवरी को विधायक शेखावत का धरना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस पार्टी द्वारा विशेष गहन पुर्नरीक्षण एस.आई.आर. के दौरान प्रारूप-07 का दुरूपयोग कर गलत तरीके से नाम काटे जाने के विरोध में विधायक भंवर सिंह शेखावत के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा गलत शिकायत कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे जिसके विरोध में दिनांक 24 जनवरी शनिवार को विधायक भंवर सिंह शेखावत के नेतृत्व में दोपहर 1 बजे एसडीएम कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उक्त जानकारी विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता द्वारा दी गई।

मिठाई खरीदने से पहले हो गया भुगतान, ग्राम पंचायत डेरखा सरकारी नियमो की उड़ा रही खुलकर धज्जियां

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी भुगतान के लिए जहा कई व्यापारी चककर लगाकर थक जाते है पर उनका भुगतान नहीं हो पता है। पर बदनावर की ग्राम पंचायत डेरखा ने सामान ख़रीदे बिना ही हजारो रुपए का भुगतान कर नया रिकॉर्ड बनाया है। मामला आने वाली 26 जनवरी की मिठाई का है। ग्राम पंचायत ने 26 जनवरी के लिए 90 किलो मिठाई के दो बिल 45 -45 किलो के श्री शंखेश्वर रेस्टोरेंट से खिरीदी का लगाया। उक्त दोनों बिल पर 13 जनवरी का दिनांक है, जो की गणतंत्र दिवस से 13 दिन पहले का है। जिसका भुगतान भी उसी दिन 13 जनवरी को कर दिया गया। क्या यह नियम अनुरूप है की पंचायत ने सामग्री खरीदी ही नहीं और भुगतान पहले ही कर दिया। इन मामले में एक बात और जब पंचायत को 90 किलो मिठाई की जरुरत थी तो उसने 45 किलो के दो बिल अलग अलग क्यों लगाए। इससे साफ पता चलता है की इन मिठाई की आड़ में सम्बन्धित लोग मिठाई चाट रहे है। यह मामला पहली बार नहीं हुवा पिछले वर्ष भी इस तरह ग्राम पंचायत डेरखा ने की थी। उक्त बिल पर दुकान का पता नाम स्पस्ट नहीं है। क्या इस तरह के बिलो पर अधिकारियो की नजर रहती है या नजर अंदाज किए जाते है। एसी ही गड़बड़ी कई पंचायतो में हो रही है जिस पर प्रसाशन का ध्यान नहीं है।

क्या कहा जिम्मेदारों ने- अग्रिम भुगतान करना नियम विरुद्ध है पंचायत ने ऐसा क्यों किया मै मामले की जाँच करवाता हु। - लाखन सिंह सिसोदिया (मुख्यकार्यपालन अधिकारी-जनपद पंचायत बदनावर)

(2) उक्त मामला मेरी जानकारी में नहीं है, मै दो तीन दिन से बाहर था मै जानकारी लेता हु- अंकित मालवीय (पंचायत समन्यक अधिकारी - जनपद

तंबाकू सिगरेट विदेशी देन इसका परित्याग करें - महंत श्री महावीर नाथ योगी जी

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हेलखंड के स्टेशन मंडल का हिंदू सम्मेलन गुरुवार को राम मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर ऋष्टा मुक्तेश्वर महादेव मंदिर भरतरी गुफा उज्जैन के महंत योगी महावीर नाथ जी ने हिंदू समाज से संगठित रहने एवं व्यसन का परित्याग करने की अपील की मुख्य वक्ता के रूप में नागदा जिला सेवा प्रमुख ओमप्रकाश व्यास ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा की जानकारी दी संघ पर लगे प्रतिबंध तथा संघ किस प्रकार सेवा के कार्य में लगा है तथा वर्तमान में हिंदू समाज पर कौन-कौन सी चुनौतियां हैं। वही राष्ट्र सेविका समिति की विभाग सह सेवा प्रमुख दीदी श्रीमती पूनम बहल ने पंच परिवर्तन एवं हिंदू जीवन शैली विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर श्री राम मंदिर के महंत श्री ओंकार दास जी महाराज भी मंचासीन रहे। राम मंदिर अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा के समय से लगातार चल रही प्रभात फेरी के लोगों का सम्मान किया कार्यक्रम का संचालन विनीत पाल ने किया वहीं हिंदू सम्मेलन समिति के संयोजक दीपक पाल ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्टेशन मंडल के ग्राम लेकोडा आंजना, राजोटा, चावंड, चंबल पाल्या व बरखेड़ा नजिक के सभी हिंदू समाज उपस्थित रहा।

मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा उन्हेल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा उन्हेल में केयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन दिनांक 21-01-2026 को किया गया। इस शिविर में बैंक के बड़ी संख्या में ग्राहकों सहित क्षेत्र के अन्य नागरिकों ने उपस्थित होकर स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श का लाभ लिया। शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए गए तथा स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम को लेकर नागरिकों में विशेष उत्साह देखा गया। इस संबंध में जानकारी शाखा प्रबंधक श्री अभय पवार द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के शिविरों से आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर शाखा में अधिकारी पल्लवी मीणा एवं कार्यालय सहायक श्री हितेश सुनहरी भी उपस्थित रहे।

आलोट में विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय द्वारा विद्युत विभाग के वरिष्ठ जिला अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट में विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय जी द्वारा विद्युत विभाग के वरिष्ठ जिला अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधीक्षण यंत्री एवं कनिष्ठ अभियंता की उपस्थिति में विधानसभा क्षेत्र में विद्युत से जुड़ी समस्याओं के निराकरण हेतु विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में विद्युत अधोसंरचना से जुड़े प्रमुख प्रस्तावों एवं कार्यों की जानकारी दी गई।

रतलाम अधीक्षण यंत्री श्री मनोज शर्मा जी ने बताया कि- आलोट में 1 नग 5 MVA अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर (ग्रिड) की स्थापना की जाएगी, जिसकी अनुमानित लागत 83.47 लाख है।

ग्राम भेसौला में 33/11 केवी उपकेंद्र (ग्रिड) पर 1 नग 5 MVA अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। इस कार्य की अनुमानित लागत ?115.20 लाख है, जिसकी निविदा प्रक्रिया प्रगतिशील है।

ग्राम भीम में 33/11 केवी उपकेंद्र (ग्रिड) पर 1 नग 3.15 MVA अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना प्रस्तावित है। इसकी अनुमानित लागत 63.38 लाख है, जिसकी निविदा प्रक्रिया चल रही है।

ग्राम रणायारा में 33/11 केवी उपकेंद्र (ग्रिड) की स्थापना की जा चुकी है, जिससे सेमिलया, नेगरुन एवं बामनखेड़ी ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं।

आलोट में 5 MVA से 10 MVA तक पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की गई है, जिससे तहसील मुख्यालय सहित संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति में राहत मिली है।

विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय जी द्वारा दिए गए प्रमुख दिशा-निर्देश- ग्रामीण क्षेत्रों में झूलते हुए विद्युत तारों एवं जर्जर केबलों को तत्काल बदला जाए।

ओवरलोड ग्रिड के समकक्ष छोटे एवं नए ग्रिड स्थापित किए जाएं।

ओवरलोड ट्रांसफार्मरों को चिन्हित कर शीघ्र बदला जाए।

विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने को प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री कालु सिंह जी परिहार, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री अभिषेक जैन जी, विद्युत विभाग के जिला अधिकारी, अधीक्षण यंत्री श्री मनोज शर्मा जी, कार्यपाल यंत्री श्री महेंद्र मईडा जी, स्छरू आलोट, ताल एवं आलोट तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बुलेट राजा' की स्मृति में 25 को तिरंगा यात्रा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर बुलेट राजा फ्रेंड्स सर्कल द्वारा स्वर्गीय राजदीप लोधा 'बुलेट राजा' की स्मृति में आगामी 25 जनवरी (रविवार) को नगर में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा देशभक्ति, एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश देगी।

ग्रुप सदस्य अभिषेक लोधा ने बताया कि तिरंगा यात्रा का शुभारंभ प्रातः 10 बजे श्री बैजनाथ महादेव मंदिर से होगा, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बस स्टैंड पहुंचेगी, जहां भारत माता की आरती के साथ यात्रा का समापन होगा। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति गीतों व नारों के साथ सहभागी होंगे।

तिरंगा यात्रा को सफल बनाने हेतु बुलेट राजा सर्कल ग्रुप के सदस्य नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क कर रहे हैं। वे नागरिकों से भेंट कर आरएसएस शताब्दी वर्ष का फोटो फ्रेम भेंट कर निमंत्रण पत्र प्रदान कर रहे हैं तथा सभी से तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने का आग्रह कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यह तिरंगा यात्रा का पांचवां वर्ष है, जो प्रतिवर्ष राष्ट्रभक्ति और सामाजिक एकता का संदेश देते हुए जनभागीदारी को मजबूत कर रही है।

आईआईटी मद्रास से हिन्दी में 'सभी के लिए एआई कोर्स' उपलब्ध, संस्थान के डिजिटल लर्निंग प्लैटफॉर्म स्वयं प्लस पर लॉन्च किए गए ये कोर्स

अब हिन्दी में उपलब्ध हैं निःशुल्क एआई कोर्स जैसे एआई फॉर एजुकेटर्स, एआई इन फ़िज़िक्स, एआई इन केमिस्ट्री, एआई इन अकाउंटिंग, क्रिकेट एनालिटिक्स विद एआई, एआई/एमएल यूजिंग पायथन - इनके लिए एआई या कोडिंग का पूर्व ज्ञान ज़रूरी नहीं।

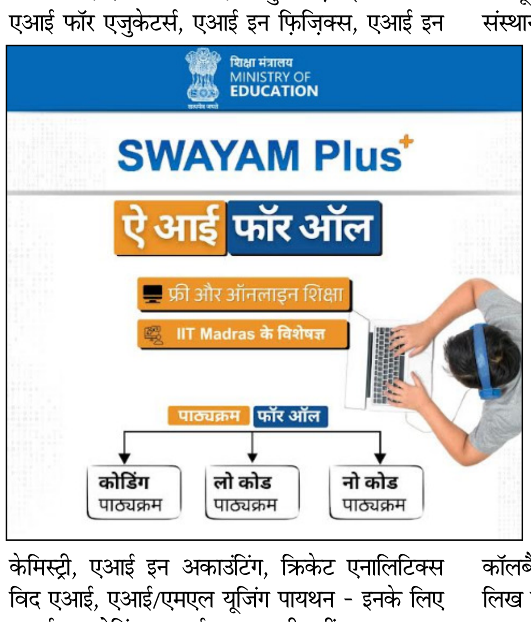

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के मार्गदर्शन में कार्यरत डिजिटल लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म स्वयं प्लस की अग्रणी पहल 'सभी के लिए एआई' अब हिन्दी में उपलब्ध है। इस तरह आईआईटी मद्रास ने सभी के लिए और सर्वसुलभ एआई शिक्षा देने का संकल्प पूरा किया है।

पूरे देश के लोग अब अपनी पसंद की भाषा में संस्थान के 6 निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स कर पाएंगे। इनके लिए एआई या कोडिंग का पूर्व ज्ञान नहीं चाहिए। बुनियादी डिजिटल लिटरेसी और सीखने की इच्छा शक्ति पर्याप्त होगी। इसलिए यह प्रोग्राम सभी के लिए उपयुक्त होगा चाहे उम्मीदवार पहली बार सीखने वाले, शिक्षक और फ़ैकल्टी के सदस्य हों।

आईआईटी मद्रास इकोसिस्टम के विशेषज्ञों ने शिक्षा और उद्योग जगत के अपने व्यापक अनुभवों से ये सभी कोर्स तैयार किए हैं। इनमें रोजगार योग्यता बढ़ाने के साथ प्रैक्टिकल एक्टिविटीज़, रियल डेटासेट और केस स्टडी के आधार पर सीखने पर ज़ोर दिया गया है।

26 जनवरी 2026 तक सभी छह कोर्स में रजिस्टर करने का लिंक ये है - https://swayam-plus.swayamw.ac.in/ai-for-all-courses उम्मीदवार संशय दूर करने या कॉलबैक के लिए pmu-sp@swayamw.ac.in पर लिख सकते हैं।

स्वयं प्लस भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन आईआईटी मद्रास की विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता के साथ व्यापक रोजगार उन्मुख ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम सर्वसुलभ कराना है।

आईआईटी मद्रास के डीन (प्लानिंग) प्रो. आर. सारथी ने इस प्रोग्राम का लाभ उठाने वाले पूरे भारत के विद्यार्थियों और सीखने के इच्छुक लोगों का स्वागत

कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट अधिकारी उज्जैन नगर जिला उज्जैन

कमांक/एसडीएम नगर/रीडर-1/2026/834 — उज्जैन, दिनांकः 13/01/2026

प्रारूप -चार
(नियम-6) 1 (देखिए)
सूचना-पत्र

मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम 1959 (1951 का 30) की धारा-5 की उपधारा (2) मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम 1962 का नियम 5 (1) देखिए।

पंजीयक,
लोकन्यास,
उज्जैन जिला उज्जैन के समक्ष,

चूंकि आवेदक श्री अनंत नारायण मंदिर सेवा न्यास. कार्यालय 73 चंद्रशेखर आजाद मार्ग अनंत पेठ उज्जैन द्वारा अध्यक्ष श्री राजेश गुरू निवासी 68/3 नजरअली मार्ग उज्जैन जिला उज्जैन ने म.प्र. लोक न्यास अधिनियम 1951 (1951 का 30) की धारा-4 के अन्तर्गत एक आवेदन अनुसूची में लोक न्यास के रूप में पंजीकृत कराने के लिये लिये आवेद्रन आवेदन किया है, एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आवेदक मेरे न्यायालय में दिनांक 26/02/2026 को दोपहर 03:00 बजे स्थान सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन के सामने स्थित संयुक्त तहसील भवन कोठी महल के प्रथम तल के कक्ष कमांक-104 में विचार के लिए लिया जावेगा।

कोई व्यक्ति जो उक्त न्यास या संपत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में की आपत्तियां करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना लोक न्यास है और उसका गठन करती है।

अतः मैं पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) उज्जैन नगर जिला उज्जैन का लोक न्यासों का पंजीयक अपने न्यायालय में दिनांक 26/02/26 को उक्त अधिनियम की धारा-5 की उपधारा (1) के द्वारा तथा अपेक्षित जांच करना प्रस्थापित करता हूँ।

अतः एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या संपत्ति का कोई न्यासघारी या कार्यवाही, न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करता ओर कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए। उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिए ग्राहय नही किया जाएगा।

- अनुसूची-
(लोक न्यास की सम्पत्ति का वर्णन, लोक न्यास का नाम और पता)

न्यास का नाम- श्री अनंत नारायण मंदिर सेवा न्यास
कार्यालय- 73 चंद्रशेखर आजाद मार्ग अनंत पेठ उज्जैन
अचल संपत्ति - वर्तमान में न्यास ने अपने पास भूमि कमांक 73 वार्ड क्रमांक 12 चंद्रशेखर आजाद मार्ग अनंत पेठ उज्जैन में स्थित कुल भूमि में से 600 वर्ग फीट भूमि दर्शाई है।
चल संपत्ति - वर्तमान में न्यास ने चल संपत्ति 11,000/-रू. दर्शाई है।

अनुविभागीय अधिकारी
उज्जैन नगर, जिला- उज्जैन

महाकाल की नगरी में आज वसंत का आगमन: बसंत पंचमी पर पीत आभा में नहाएगा उज्जैन

भस्मार्ती से शुरू होगा उत्सव, हर्बल गुलाल से होगा श्रृंगार; वैष्णव मंदिरों में फागोत्सव की शुरुआत, सांदीपनि आश्रम में बच्चों का 'विद्यारंभ संस्कार'

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बदलती ऋतु के स्वागत और नव ऊर्जा के आगमन का प्रतीक बसंत पंचमी का उल्लास आज शुक्रवार को देशभर के साथ महाकाल की नगरी उज्जैन में भी अद्भुत छटा बिखेरेगा। हर पर्व की तरह यह उत्सव भी सबसे पहले श्री महाकालेश्वर मंदिर में पारंपरिक गरिमा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। वसंत का दुलार लिए महाकाल मंदिर पीले रंगों और पुष्पों की सौंधी महक से महकेगा।

सुबह तड़के 4 बजे होने वाली भस्मार्ती के साथ वसंत पंचमी उत्सव का आरंभ होगा। इस विशेष अवसर पर पुजारियों द्वारा बाबा महाकाल का केसरिया पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। अभिषेक के बाद पीले वासंती पुष्पों की महक से पूरा गर्भगृह भर उठेगा। भगवान को केसरिया-पीले पकवानों का भोग लगाकर मंत्रोच्चार और आरती की अनुगूंज से वातावरण भक्तिमय हो जाएगा।

महाकाल का वासंती श्रृंगार, हर्बल गुलाल की महक- दिनभर होने वाली सभी पांच आरतियों में आज परंपरा के अनुसार वासंती परिवर्तन देखने को मिलेगा। सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया के अनुसार संध्या आरती में भगवान को हर्बल गुलाल, वसंत के पीले फूल और केसरिया पेड़े का नैवेद्य अर्पित किया जाएगा। भगवान महाकाल वासंती पोशाक में विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

वैष्णव मंदिरों में आज से फागोत्सव की धूम - महाकाल मंदिर के अलावा शहर के पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंदिरों में भी बसंत पंचमी की चहल-पहल दिखाई देगी। परंपरा के अनुसार आज से 40 दिवसीय फाग महोत्सव का शुभारंभ होगा। होली तक प्रतिदिन मंदिरों में विभिन्न भजन, उत्सव और फाग के रंग बिखेरते आयोजन होते रहेंगे, जिनमें श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या उमड़ेगी।

सांदीपनि आश्रम में 'विद्यारंभ संस्कार'- उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में बसंत पंचमी पर सदियों पुरानी परंपरा जीवंत होगी। जहां भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से 64 विद्याएं और 16 कलाएं सीखी थीं, उसी आस्थापूर्ण स्थल पर आज नन्हे-मुन्नों की शिक्षा का शुभारंभ कराया जाएगा। मुख्य पुजारी के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का केसरयुक्त जल से अभिषेक होगा। इसके बाद उन्हें विशेष पीतांबर धारण कराए जाएंगे, सरसों के पीले फूल और वासंती गुलाल अर्पित कर केसरिया भात का महाभोग लगाया जाएगा।

इस पावन दिन पर बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के साथ पहुंचेंगे। पहली बार शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों का 'पाटी पूजन' कर 'विद्यारंभ संस्कार' विधिवत संपन्न कराया जाएगा।

बेटी को स्कूल छोड़ने जा रहे पिता की दुर्घटना में मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार सुबह बाइक से बेटी को स्कूल छोड़ने जा रहे पिता की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बेटी घायल हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर दुर्घटना में शामिल वाहन की तलाश शुरू की है जो मौके से भाग निकला था।

केडी गेट पर रहने वाला बेराम खान पिता आलम खान 45 वर्ष सुबह अंबोदिया स्थित स्काई पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली बेटी आलिया को छोड़ने जा रहे थे। धरमबड़ला के समीप तेज गति से आए अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाइक अनियंत्रित हो गई। बेराम गंभीर रूप से घायल हो गए। बेटी आलिया को भी चोट लगी थी। लोगों की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने बेराम को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना की जानकारी लगते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। बेटी आलिया कक्षा 9वीं की छात्रा है जिसे उपचार के लिए भर्ती किया गया है। मामले की जानकारी पुलिस को मिली तो मर्ग कायम किया गया और मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद चालक अपना वाहन लेकर भाग निकला है। जिसकी तलाश में मार्ग पर लगे कैमरों के फुटेज देखे जाएंगे।

इधर मक्सी रोड पर दुर्घटना- बुधवार-गुरुवार रात मक्सी रोड पर ताजपुर और उज्जैन के बीच बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बाइक सवार को दो लोग अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन मेन गेट पर ही छोड़कर भाग निकले। घायल की मौत हो चुकी थी। अस्पताल स्टॉफ ने कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस चरक अस्पताल पहुंची। मृतक के पास से आधार कार्ड मिला जिससे उसकी पहचान कैलाश पिता रामलाल भाटी 55 साल निवासी अमृत नगर पंवासा के रूप में हुई। दुर्घटना का पता चलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। पंवासा पुलिस दुर्घटना का पता लगाने के लिए निकली। इस दौरान हरसोदन से आगे क्षतिग्रस्त बाइक पड़ी मिली।

पुलिस ने दुर्घटना में वृद्ध की मौत होने का मामला दर्जकर पोस्टमार्टम कराया है।

जनसुनवाई में इंदिरा बाई की समस्या का हुआ निराकरण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा प्रति मंगलवार को आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण किए जाने के निर्देशों के परिपालन में प्रार्थियां श्रीमती इंदिरा बाई की समस्या का गुरुवार को निराकरण किया गया। विगत जनसुनवाई में उज्जैन के नागझिरी निवासी श्रीमती इंदिरा बाई पति प्रकाश चंद्र ने आवेदन कर शिकायत की गई थी कि उनके मक्सी रोड महाकाल धाम कॉलोनी स्थित मकान पर उनके किराएदार द्वारा मकान खाली कर स्वयं का ताला लगा दिया गया है। इसकी सूचना उन्होंने नहीं दी है तथा प्रार्थियां द्वारा चाबी की मांग की गई तो उसे चाबी देने से इनकार कर दिया गया था।

संभाग स्तरीय अधिवक्ता क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वर्गीय प्रताप मेहता की पुण्य स्मृति में संभाग स्तरीय अधिवक्ता क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन एमआईटी स्टेडियम पर किया जाएगा। जिसमें 6 टीमे भाग लेगी।

जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी अधिवक्ता जयराज मंडेरिया ने बताया कि स्वर्गीय प्रताप जी मेहता (पूर्व को चेयरमैन, बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया) की पुण्य स्मृति में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन आज से किया जाएगा। जिसमें संभाग की 6 टीम भाग लेगी जिसमें 2 टीम उज्जैन जिले की रहेगी।

जिसमें उज्जैन वारियर्स एडवोकेट क्रिकेट टीम कप्तान - लोकेन्द्र सिंह भदौरिया उपकप्तान - दिनेश उपाध्याय संयोजक - श्री ईजराईल खान मंसूरी, एडवोकेट श्री संदीप मेहता श्री विश्वास डायमा, श्री मुकेश उपाध्याय, श्री समरेज मंसरी संजय आंजना, मो. साजिद मंसूरी, आशीष भदाले, निर्मलसिंह दरबार, गौरव विश्वकर्मा, बलरामसिंह बिष्ट, शाहनवाज मंसूरी, मनीष बरबेले, निखिल वढ़ेरा, अंकित कोठारी, अफजल कुरैशी, नमनसिंह सोलंकी, देवेन्द्रसिंह सोलंकी, धीरज मुंडेल,, अभिनव परवाल, केवल चौपड़ा, शक्तिसिंह पंवार, नितिन चौधरी, संतोष चौहान, आदिल कुरैशी आदि उज्जैन संभाग की टीम जिसमद्वरतलाम ,मंदसौर ,नागदा ,देवास और उज्जैन की टीम में शामिल होंगी।

बाइक को टक्कर मारने के बाद खंती में गिरी कार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विजयागंजमंडी चौराहा पर गुरुवार सुबह बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित हुई कार खंती में जा गिरी। हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। कार चालक घायल हुआ है।

विजयागंज मंडी के भेसुनी गांव में रहने वाला मुकेश पिता देवीलाल शर्मा 50 वर्ष बाइक से दूध लेने के लिए घर से निकला था। चौराहे पर पहुंचते ही देवास की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना होते ही बाइक चालक गंभीर घायल हो गया वहीं कार अनियंत्रित होने के बाद खंती में जा गिरी। घटनाक्रम देख लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाइक चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था जिसे अस्पताल पहुंचाया गया वहीं खंती में गिरी कार की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को निकालने के प्रयास शुरू किए।

इस दौरान उसमें चालक विष्णु पिता रतनलाल मालवीय 43 वर्ष निवासी विजयागंज मंडी घायल होना सामने आया। सबसे पहले उसे बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। घायल से पूछताछ में सामने आया कि वह प्रॉपर्टी का काम करता है। देवास से लौट रहा था। उसी दौरान कार के सामने घोड़ा आ गया। जिसे बचाने के लिए उसने कार को साइड में किया उसी दौरान सामने से तेज गति में आया बाइक सवार टकराया गया। पुलिस ने बाइक सवार की मौत होने पर मर्ग कायम किया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दुर्घटना की जांच शुरू की है।

उज्जैन के विक्रम व्यापार मेले में चमकेगा ऑटो बाजार

रोड टैक्स में 50% छूट से बढ़ी गाड़ियों की बिक्री की उम्मीद; डीलर नया स्टॉक मंगाने में जुटे, पिछले साल टूटा था रिकॉर्ड

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अगले महीने फरवरी से शुरू होने वाले उज्जैन व्यापार (विक्रम) मेले से पहले ही ऑटोमोबाइल बाजार में जबरदस्त रौनक नजर आने लगी है। शासन द्वारा रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की छूट के नोटिफिकेशन ने ग्राहकों की दिलचस्पी और भी बढ़ा दी है। इसी वजह से शहर के साथ-साथ इंदौर के कई बड़े डीलरशिप भी नव-स्टॉक जुटाने में लग गए हैं।

डीलरों का कहना है कि इस बार शुरुआत से ही पूछताछ तेज है। परिवार हो या युवा खरीदार—हर कोई अपने पसंदीदा वेरिएंट और रंग की बुकिंग करना चाहता है। खासकर एंट्री लेवल और मिड-सेगमेंट कारों में मारुति और टाटा की मांग सबसे ऊपर बनी हुई है। मेले में मिलने वाले एक्सचेंज बोनस, कम डाउन पेमेंट और मौके पर ही आसान फाइनेंस की सुविधा ग्राहकों को और आकर्षित कर रही है।

प्रीमियम गाड़ियों में भी हलचल - पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी रोड टैक्स छूट का सबसे बड़ा लाभ प्रीमियम कार खरीदने वालों को मिल रहा है। रेंज रोवर, मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी जैसी हाई-एंड गाड़ियों पर लाखों रुपये का रोड टैक्स लगता है। 50 प्रतिशत छूट लागू होने के बाद ग्राहकों की भारी बचत हो रही है। यही वजह है कि लग्जरी सेगमेंट में एडवांस बुकिंग तेजी से बढ़ रही है।

डीलरों ने की पूरी तैयारी - डीलरों ने कंपनियों से लगातार नया स्टॉक मंगाना शुरू कर दिया है। इस बार नए मॉडल और नए रंगों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है ताकि खरीदारों को अधिक विकल्प मिल सकें। फाइनेंस कंपनियों को भी पहले से अलर्ट कर दिया गया है कि मेले के दौरान मौके पर ही लोन मंजूर किए जाएं। डीलरों को उम्मीद है कि इस बार का विक्रम मेला पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देगा। बढ़ती मांग और शुरुआती बुकिंग को देखते हुए यह अनुमान काफी मजबूत माना जा रहा है।

पिछले साल का रिकॉर्ड

वर्ष 2025
कुल बिक्री - 36,313 वाहन (43 दिनों में)
28,451 चारपहिया
7,862 दोपहिया
सरकार को राजस्व - 186 करोड़ रुपये
ग्राहकों को मिली छूट - 186 करोड़ रुपये

वर्ष 2024

पहली बार—40 दिनों में 23,705 वाहन बिकी थीं
डीलरों की प्रमुख तैयारियाँ
कंपनियों से लगातार नया स्टॉक बुलाया जा रहा
एक्सचेंज बोनस और कम डाउन पेमेंट पर फोकस
आसान फाइनेंस और मौके पर लोन की सुविधा
नए मॉडल और नए रंगों की विशेष उपलब्धता

रिश्तेदार ने 10 साल की मासूम से किया गंदा काम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रिश्तों को शर्मसार करने का मामला बुधवार को सामने आया। 10 साल की मासूम के साथ रिश्तेदार द्वारा दरिंदगी की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दरिंदे की तलाश शुरू की है, जो फरार होना सामने आया है। घटना तराना तहसील की है। 10 साल की मासूम अपने रिश्तेदार की बेटी के साथ खेलने गई थी। उसी दौरान रिश्तेदार मासूम को बहला-फुसलाकर घर में ले गया और उसके साथ गलत काम किया। उसने मासूम को धमकाया और चला गया। मासूम के परिजनों को घटना का पता चला तो हंगामा खड़ा हो गया। वह विवाद करने रिश्तेदार के यहां पहुंच गये, लेकिन वह भाग चुका था। घटनाक्रम की शिकायत से की गई। पुलिस मासूम को परीक्षण के लिये उज्जैन लेकर पहुंची, जिसमें गलत काम होना सामने आने पर प्रकरण दर्ज किया गया। एसआई हरिराम अंगोरिया ने बताया कि आरोपी की तलाश में 3 टीम गठित की गई है। उसके सभी ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। परिजनों से भी पूछताछ कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

पीएमश्री हेली सेवा के यात्रियों को महाकाल मंदिर में मिलेगा वीआईपी दर्शन

हेलीकॉप्टर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश व्यवस्था, भस्म आरती में भी विशेष सुविधा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। अब पीएमश्री हेली सेवा के जरिए उज्जैन पहुंचने वाले पर्यटकों को मंदिर में लंबी कतार में नहीं लगना पड़ेगा। इन्हें सीधे वीआई (प्रोटोकॉल) दर्शन की विशेष सुविधा दी जाएगी।

सोमवार को मंदिर प्रशासक द्वारा इसके आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा संचालित पीएमश्री हेली सेवा के यात्रियों के पास समय कम होता है, इसी को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने उनके लिए अलग प्रवेश द्वार, सीधी लाइने, और त्वरित दर्शन की व्यवस्था की है।

श्रद्धालुओं को इस सुविधा के लिए 250 रुपये शुल्क देना होगा। इतना ही नहीं, इन यात्रियों को भस्म आरती में भी प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे उनकी यात्रा और भी सुगम हो जाएगी।

पर्यटन को नई दिशा देने की तैयारी- 20 नवंबर को शुरू हुई पीएमश्री हेली सेवा श्रद्धालुओं के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं हो रही है। उज्जैन से ओंकारेश्वर, पचमढ़ी और बांधवगढ़ जैसे प्रमुख धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों तक हेलीकॉप्टर सेवा मिल रही है।

पीएमश्री यात्रियो यह सब मिलेगा

महाकाल मंदिर में वीआईपी (प्रोटोकॉल) दर्शन
अलग प्रवेश और बिना कतार के दर्शन
भस्म आरती के लिए विशेष प्राथमिकता
सुविधा शुल्क 250 रुपये
उज्जैन से ओंकारेश्वर, पचमढ़ी, बांधवगढ़ तक हेली सेवा

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में पहली बार कार्तिक मेला ग्राउंड पर हर्षोल्लास और भव्य रूप में मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में कार्तिक मेला ग्राउंड पर हर्षोल्लास और भव्य रूप में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। शहर के इतिहास में पहली बार शिप्रा नदी के किनारे गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में शहरवासियों की अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित की जा सके इस उद्देश्य से कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभाकक्ष में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठन, समाजसेवी और संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, श्री संजय अग्रवाल, श्री जगदीश पांचाल, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री संदीप शिवा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने समारोह की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस बार का गणतंत्र दिवस समारोह विशेष रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में समारोह का आयोजन किया जाएगा। मुख्य मंच कार्तिक मेला ग्राउंड पर बनाया जाएगा। परेड और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम विधिवत आयोजित किए जाएंगे। इस बार गणतंत्र दिवस पर विभिन्न विभागों के द्वारा निकाली जाने वाली झांकियां आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व पर केंद्रित होगी। कार्तिक मेला ग्राउंड पर इस वर्ष किसान कल्याण वर्ष को ध्यान में रखते हुए कृषि संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

वाइब्रेंट थीम पर होगा राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वाइब्रेंट थीम पर 30 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव बहुउदेशीय होगा। पुष्प महोत्सव के भव्य आयोजन के लिये तैयारियों की समीक्षा बैठक आयुक्त श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें राज्य स्तरीय रोज सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री सच्चिदानंद गर्दे सहित अन्य पदाधिकारी और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सिंहस्थ से पहले रेलवे सुरक्षा में सहयोग करेंगे- कुली, वेंडर

इंदौर में मॉडल की शुरुआत, अब उज्जैन स्टेशन पर भी लागू होगा प्लान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महापर्व नजदीक है और इसे देखते हुए रेलवे सुरक्षा एजेंसियां भी अब हाई अलर्ट मोड में आ गई हैं। भीड़भाड़ वाले प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में बढ़ते अपराधों पर नकेल कसने के लिए जीआरपी ने बेहद अहम कदम उठाया है। अब स्टेशन पर दिन-रात मौजूद रहने वाले कुली और वेंडर पुलिस के भरोसेमंद मुखबिर नेटवर्क का हिस्सा बनेंगे।

इंदौर स्टेशन पर इस मॉडल की शुरुआत हो चुकी है और अब इसे उज्जैन सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर लागू करने की तैयारी है। सिंहस्थ के दौरान लाखों यात्रियों का दबाव देखते हुए यह व्यवस्था सुरक्षा के लिहाज से गेमचेंजर साबित हो सकती है।

अपराधियों पर लगेगी सीधी नजर - जीआरपी की मानें तो प्लेटफॉर्म पर सक्रिय कुलियों की नजर सबसे पहले किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर जाती है। चोरी, जेबकटी, ठगी से जुड़ी कई वारदातें ऐसे ही लोगों की सूचना पर रोकी जा सकती हैं।

कुलियों और वेंडरों को अब सीधे सूचना तंत्र से जोड़ने का प्लान तैयार है, ताकि वे तुरंत पुलिस तक सूचना पहुंचा सकें।

सिर्फ पुलिस के भरोसे सुरक्षा अब संभव नहीं- सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन के दौरान यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में केवल पुलिस बल के भरोसे स्टेशन सुरक्षा संभालना चुनौतीपूर्ण है।

इसी कारण जीआरपी इंटेलिजेंस नेटवर्क का विस्तार कर रही है।

इंदौर में कुलियों के साथ बैठक कर उन्हें जिम्मेदारियां समझाई जा चुकी हैं। अब जल्द ही उज्जैन और आसपास के स्टेशनों पर भी इसी तरह की बैठकें होने वाली हैं।

उज्जैन स्टेशन की हकीकत- 49 जवान, 50 कुली - उज्जैन रेलवे स्टेशन पर वर्तमान में जीआरपी के पास कुल 49 पुलिसकर्मियों की फोर्स है—जिसमें 1 सब इंस्पेक्टर, 4 एएसआई और जवान शामिल हैं।

वहीं स्टेशन पर 50 से अधिक अधिकृत कुली कार्यरत हैं।

इन कुलियों को सक्रिय मुखबिर नेटवर्क के रूप में जोड़ देने से जेबकटी, चोरी, ठगी जैसी घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई संभव हो जाएगी।

इसलिए जरूरी है कुली-वेंडर नेटवर्क

प्लेटफॉर्म पर पूरे समय मौजूद रहते हैं

संदिग्ध गतिविधियों पर सबसे पहले ध्यान जाता है

चोरी/जेबकटी की घटनाओं में तुरंत सूचना दे सकते हैं

भीड़ के बीच पुलिस के लिए आंख-कान का काम

सिंहस्थ जैसे आयोजन में पुलिस बल की कमी पूरी करेंग।

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने संगोष्ठी आयोजन को गणतंत्र पर्व का शुभ अवसर बताया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जयिनी केवल एक प्राचीन नगर या धार्मिक केंद्र नहीं,बल्कि यह भारतीय गणतंत्र की उद्घोषक और संवाहक भूमि रही है। भारत में गणतंत्र की अवधारणा किसी एक काल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों की सांस्कृतिक और वैचारिक यात्रा का परिणाम है।

पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित ने उपरोक्त उद्गार भारतीय गणतंत्र की वैचारिक जड़ों और उसकी प्राचीन परंपरा को केंद्र में रखते हुए सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन में प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला तथा महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय गणतंत्र की उद्घोषक उज्जयिनी विषय पर स्वर्ण जयंती सभागार मे आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विषय प्रवर्तन संगोष्ठी के मुख्य समन्वयक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा तथा समन्वयक डॉ. रमण सोलंकी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य यह स्पष्ट करना था कि भारतीय गणतंत्र की अवधारणा आधुनिक नहीं, बल्कि उसकी जड़ें प्राचीन भारत में, विशेष रूप से उज्जयिनी में निहित हैं। संगोष्ठी में इतिहास, पुरातत्व और संस्कृति के विद्वानों ने गणतांत्रिक चेतना की निरंतरता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में उज्जैन कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कुमट उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने की, जबकि कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा, जी.डी.सी. के प्राचार्य डॉ. प्रशान्त पुराणिक, कुलानुशासक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा, पुरातत्वविद डॉ. रमण सोलंकी, श्री आर.सी. ठाकुर, वरिष्ठ कार्यपरिषद सदस्य श्री रूप पमनानी, महर्षि सांदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण भी मंचासीन रहे। पद्मश्री डॉ. राजपुरोहित ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय परंपरा में गण की अवधारणा अत्यंत प्राचीन है। गणपति को गणनायक कहा जाना इस बात का प्रतीक है कि भारत में सामूहिक निर्णय, सहभागिता और सहमति को सर्वोच्च स्थान दिया गया।

महाभारत के शांति पर्व में गणतंत्र की विशेषताओं पर विस्तृत चर्चा मिलती है, जहाँ भीष्म पितामह युधिष्ठिर को जनकल्याणकारी शासन के सिद्धांत समझाते हैं।

उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीकृष्ण स्वयं कभी राजा नहीं बने, बल्कि उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए योग्य शासकों को मार्गदर्शन दिया। यह भारतीय राजनीतिक चिंतन की पराकाष्ठा है, जहाँ सत्ता से अधिक महत्व लोकहित और नैतिकता को दिया गया।

जहरीली शराब के साथ हिरासत में आया इनामी बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जहरीली शराब लेकर आ रहे व्यक्ति की सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की ओर उसे हिरासत में लिया और अपराधिक रिकॉर्ड खंगाला फरार इनामी बदमाश होना सामने आया।

पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति काले रंग की जैकेट पहने, हाथ में पीले रंग की प्लास्टिक केन लिए हुए नौलखी बीड के सामने जैवंतपुरखेड़ा मार्ग पर हाथ भट्टी की बनी कच्ची जहरीली शराब बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी की और बताए गए हुलिए के व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम राकेश उर्फ जटा पिता पवन प्रजापत 25 वर्ष, निवासी ग्राम नवांखेड़ा, इंदौर रोड, नानाखेड़ा बताया। उसके पास से केन में भरी आज भट्टी पर बनी 5 लीटर जहरीली शराब बरामद की गई। थाने लाकर मामले में आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज किया गया और आपराधिक रिकॉर्ड देखे गए। इस दौरान सामने है कि उक्त आरोपी बदमाश प्रगति का है और देवास के थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास का फरार आरोपी है उसके खिलाफ 10000 का इनाम भी घोषित है। पंवासा थाना पुलिस में देवास गेट को फरार इनामी बदमाश के हिरासत में आने की जानकारी दी। देवास गेट पुलिस ने बदमाश की फॉर्मल गिरफ्तारी ली है वहीं पंवासा पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से जेल भेजा गया है देवास गेट पुलिस अपने यहा दर्ज अपराध के मामले में बदमाश का प्रोटेक्शन वारंट जारी कराकर पूछताछ के लिए जेल से लेकर आएगी।

सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने नवीन सेतुओं के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निर्मित किए जा रहे सेतुओं का स्?थल निरीक्षण किया। सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सेतु निर्माण कार्य समय सीमा में और निर्धारित मापदंड के अनुसार करें। निरीक्षण की शुरूआत मां गढ़कालिका से श्री काल भैरव मंदिर मार्ग पर निर्मित होने वाले समांतर पुल से हुई। पुल में 66 पाइल और 10 पियर रहेंगे। साथ ही पुल के दोनों और हाई मास्ट की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त सेतु पर खुदाई का कार्य दूसरी और भी शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण सेतु के ई ई श्री पी एस पंत ने जानकारी दी कि उक्त सेतु में आगामी जुलाई 2026 तक स्लैब और फरवरी 2026 के अंत तक पाइल का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

वैश्विक मंच पर मध्यप्रदेश निवेश भी विकास भी

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

"मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF-2026), दावोस यात्रा ने मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश एवं नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करने में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की। यह यात्रा मध्यप्रदेश के लिए निवेश, रोज़गार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ ही प्रदेश के हरित, डिजिटल और समावेशी विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई है।"

हरित ऊर्जा एवं समावेशी विकास

- मध्यप्रदेश के हरित ऊर्जा विज़न का प्रदर्शन
- सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण जैसी परियोजनाओं की प्रगति और भावी योजनाओं से वैश्विक निवेश
- हरित ऊर्जा विज़न से प्रेरित मध्यप्रदेश मॉडल का वैश्विक मंच पर रेखांकन

निवेश प्रोत्साहन एवं उद्योग संवाद

- 'इन्वेस्ट इन इंडिया : मध्यप्रदेश' राउंड टेबल मीटिंग में वैश्विक निवेशकों से संवाद
- ऑटोमोबाइल, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मा, आईटी, कृषि-प्रसंस्करण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश एवं रोज़गार के अवसर

फार्मा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रगति

- सैंडोज़ प्रतिनिधि मंडल के साथ फार्मा विनिर्माण पर परिचर्चा
- जेनेरिक दवाओं एवं एपीआई निर्माण में निवेश की संभावनाएं
- उन्नत अवसंरचना, नीतिगत समर्थन एवं कुशल कार्यबल विकास पर चर्चा

पर्यटन को मिला वैश्विक मंच

- 'रीइमेजिनिंग टूरिज्म एट स्केल' सत्र में मध्यप्रदेश के विविध पर्यटन आकर्षणों का प्रस्तुतिकरण
- विरासत, वन्यजीव और आध्यात्मिक पर्यटन को वैश्विक निवेश से जोड़ने पर बल
- 'अतुल्य भारत के हृदय प्रदेश' की विकास यात्रा में वैश्विक निवेशकों को आमंत्रण

अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मजबूती

- मालदीव से द्विपक्षीय वार्ता में पर्यटन, चिकित्सा, शिक्षा एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग पर सहमति
- अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मिलेगी मजबूती

डिजिटल भविष्य को मिलता बल

- ReNew Power के साथ संवाद में डेटा सेंटर और डिजिटल इकोनॉमी के लिए स्वच्छ ऊर्जा-आधारित विकास मॉडल पर परिचर्चा
- मध्यप्रदेश को विश्वसनीय हरित ऊर्जा केंद्र के रूप में स्थापित करने पर बल

खेल विकास एवं योग को बढ़ावा

- मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ खेल विकास एवं खेल पर्यटन पर चर्चा
- योग एवं आध्यात्मिक कल्याण से जुड़े वैश्विक संगठनों के साथ संवाद
- उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय योग केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा

तकनीक एवं नवाचार को प्रोत्साहन

- स्विस संसद के सदस्यों के साथ स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण एवं कौशल विकास पर चर्चा
- तकनीकी प्रशिक्षण एवं हरित नवाचार में सहयोग
- स्विस निवेश एवं विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश की प्राथमिकताओं से जोड़ने पर सहमति

आर्थिक विकास एवं रोज़गार को बल

- मध्यप्रदेश और डीपी वर्ल्ड के मध्य एमओयू से व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगी नई दिशा
- लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की संभावनाओं से आर्थिक विकास एवं रोज़गार को बढ़ावा

मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में बनें सहभागी

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

D11189/25